हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, शनिवार, 28 दिसंबर 2024, वर्ष- 07, अंक- 304, पृष्ठ-8, मूल्य - 3:00 | naisochexpreess@gmail.com

पेज : 08

सूर्या और पूजा हेगड़े की अगली फिल्म के शीर्षक से उठा पर्दा रेट्रो का टीजर भी आया सामने

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के तीन मोतीलाल नेहरू रोड स्थित आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने डॉ. सिंह के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और डॉ. सुदेश धनखड़ ने आज नई दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने डॉ. सिंह के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और देश के लिए उनके अमूल्य योगदान और उनकी चिरस्थायी विरासत को याद किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, "डॉ. मनमोहन सिंह को उनके आवास पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत उनके योगदान को सदैव याद रखेगा।" उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री सिंह का कल रात को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर होगा 7 दिन का राष्ट्रीय शोक, राज्यकीय सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

एजेंसी, नई दिल्ली । पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का दिल्ली के एम्स में गुरुवार रात निधन हो गया। डॉ. मनमोहन सिंह ने रात 9 बजकर 51 मिनट पर अंतिम सांस ली। केंद्र सरकार इस दुख की इस घड़ी में 7 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित करेगी। भारत सरकार के सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को 11 बजे पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देने के लिए कैबिनेट की बैठक होगी। इसके साथ कल होने वाले सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द किए जाएंगे। डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

मनमोहन सिंह को एक सुधारवादी नेता के रूप में याद किया जाएगा : मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया और देश की प्रगति एवं विकास में उनके योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि सिंह को हमेशा एक सुधारवादी नेता के रूप में याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एक विशेष वीडियो संदेश में मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल और स्वयं के गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान हुई बातचीत को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के निधन ने हम सभी के हृदय को गहरी पीड़ा पहुंचाई है।

वित्त मंत्रालय के समक्ष रोजगार के अवसर पैदा करने और पूंजीगत खर्च को बढ़ाने की चुनौती

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कुछ चुनौतियों को चीरने की जरुरत है। नए साल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सामने टैक्स प्रणाली को सरल बनाने रोजगार के अवसरों को पैदा करने और पूंजीगत खर्च को बढ़ाने जैसी जिम्मेदारियां होंगी। सरकार को टैक्स सिस्टम को सरल बनाने, रोजगार सृजन करने और इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च को बढ़ाने के लिए कई अहम कदम उठाने होंगे। इन फैसलों का असर देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने में अहम साबित हो सकता है। शहरी बेरोजगारी दर 6.4 प्रतिशत तक पहुंचने के बाद सरकार ने युवाओं के लिए पीएम इंटर्नशिप स्कीम की घोषणा की थी। इस स्कीम के तहत 10वीं पास और 21-24 साल के युवा देश की टॉप 500 कंपनियों में इंटर्नशिप कर सकते हैं। इसका पायलट 3 अक्टूबर को लॉन्च हुआ था लेकिन इसका औपचारिक लॉन्च नए साल से होने की उम्मीद है। भारत की जीडीपी ग्रोथ दूसरी तिमाही में 5.4 प्रतिशत रह गई जो पिछले सात तिमाहियों में सबसे कम थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस वित्त वर्ष के लिए ग्रोथ अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसे सुधारने के लिए मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र पर फोकस बढ़ाने की जरूरत है ताकि रोजगार और आर्थिक वृद्धि दोनों को बढ़ावा मिल सके।

पूंजीगत खर्च की रफ्तार को तेज करने की जरूरत

वित्त मंत्री ने एफवाय 25 में टैक्स से 25 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा था लेकिन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती पूंजीगत खर्च को बढ़ाना है। अक्टूबर तक केंद्र सरकार का कैपेक्स पिछले साल की तुलना में 14.7 प्रतिशत घटकर 4.7 लाख करोड़ रुपये रह गया है। अगर यह खर्च बढ़ाने में मुश्किलें आती हैं तो इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ पर असर पड़ सकता है।

इनकम टैक्स एक्ट में बदलाव पर जोर : वित्त मंत्री ने बजट में इनकम टैक्स एक्ट को सरल बनाने के लिए इसकी समीक्षा करने की घोषणा की थी। इस दिशा में सीबीडीटी को करीब 7000 सुझाव प्राप्त हो चुके हैं। उम्मीद है कि इस बदलाव पर चर्चा के लिए रिपोर्ट अगले साल के पहले महीनों में आएगी जिसके बाद संसद में इसे पेश किया जाएगा।

ठंड से जमा तालाब, बच्चों ने खेला क्रिकेट

एक फुट जमी बर्फ की परत, आठ राज्यों में बारिश और ओले का अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के चलते कई सड़कें बंद पड़ी हैं और पर्यटक फंसे हुए हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर में पड़ रही कड़ाके की ठंड और बर्फबारी के कारण तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे चला गया है। इसका एक नजारा जम्मू के सोपोर में दिखाई दिया। हरितारा इलाके में बना एक तालाब पूरी तरह जम गया। बच्चों ने इस जमे हुए तालाब पर क्रिकेट खेला कर मौसम का आनंद लिया। हिमाचल में 2 हाइवे समेत 24 सड़कों पर शुक्रवार को भी बसों की आवाजाही बंद है। नेशनल हाइवे 305 पर भी करीब एक फुट बर्फ जमा है। प्रशासन बर्फ हटाने की कोशिश कर रहा है ताकि आवागमन चालू किया जा सके। उत्तराखंड में भी जोशीमठ और पिथौरागढ़ में बर्फबारी से नेशनल हाइवे और स्टेट हाइवे बंद है। देहरादून में भी त्यूनी-चक्रता-मसूरी नेशनल हाईवे के 30 किलोमीटर स्ट्रेच का हाईवे बर्फबारी के कारण बंद है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 2-3 दिन बर्फबारी का दौर जारी रहेगा। दिल्ली में शुक्रवार सुबह तेज बारिश हुई। इसके अलावा मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी समेत आठ राज्यों में आंधी-बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। यहां 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इससे तापमान में गिरावट आएगी।

बर्फबारी से कई सड़कें बंद

एलके आडवाणी पूरी तरह स्वस्थ्य अस्पताल से मिली छुट्टी, घर पहुंचे

एजेंसी, नई दिल्ली

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। इलाज के बाद उनकी अस्पताल से छुट्टी कर दी गई है। वे घर पहुंच गए हैं और आराम कर रहे हैं। उनकी सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है। हल्का भोजन भी ले रहे हैं। उन्हें 12 दिसंबर को इलाज के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्हें स्वास्थ्य लाभ के 14 दिन बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। इससे पहले अस्पताल ने बयान जारी करते हुए कहा था, कि वयोवृद्ध भाजपा नेता और भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी 12 दिसंबर से इंद्रप्रस्थ अपोलो अपोलो अस्पताल के आईसीयू में डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में हैं। उनके मेडिकल कंडीशन में धीरे-धीरे सुधार दिख रहा है। आडवाणी को इस साल अगस्त महीने में भी अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था और तब भी वह न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनीत सूरी के ऑब्जर्वेशन में रहे थे। सेहत में सुधार होने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था। उसके एक महीने पहले 26 जून की रात 10:30 बजे उन्हें दिल्ली एम्स के यूरोलॉजी डिपार्टमेंट में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान ने रिम्स अस्पताल का किया निरीक्षण, दिए कई निर्देश

एजेंसी । रांची

27 दिसंबर (हि.स.)। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने शुक्रवार को रिम्स अस्पताल का निरीक्षण किया। मंत्री ने अस्पताल में कई कमरे बंद और मशीनें बेकार पड़ी पाईं। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को फटकार लगाते हुए इन कमरों को खोलने और मशीनों का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने देखा कि अस्पताल में कई जगह फर्श टूटे हुए हैं और मरीजों के लिए पर्याप्त बेड नहीं हैं। इसपर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री ने रिम्स में सुधार के लिए कई कदम उठाने का आदेश दिया है। पुराने उपकरणों को बदला जाएगा। इमरजेंसी में बेड की संख्या बढ़ाई जाएगी और सेंट्रल लैब को जल्द शुरू किया जाएगा। मौके पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव अजय सिंह ने बताया कि रिम्स में इमरजेंसी में केवल 40 बेड हैं, जिन्हें बढ़ाकर 80 किया जाएगा। यह काम अगले दो महीने में पूरा हो जाएगा। रिम्स निदेशक ने माना कि अस्पताल में बेड की कमी है और मरीजों को परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि वे मंत्री के निर्देशों का पालन करेंगे और अस्पताल में सुधार लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। साथ ही कहा कि इमरजेंसी में अतिरिक्त बेड की व्यवस्था करने का निर्देश मंत्री ने दिया है। इंडोर का भी मंत्री ने राउंड किया और दवाओं के बारे में पूछताछ की। इलाज और दवाओं से मंत्री संतुष्ट थे।

पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक में हुईं 46 मौतों का बदला लेगा तालिबान

एजेंसी, काबुल

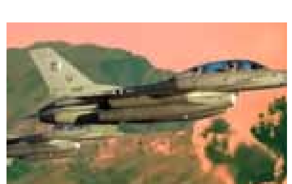

दुनिया के कई देश घोषित और अघोषित युद्ध लड़ रहे हैं। इसी बीच पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ रहा है। इसी तनाव के चलते पाकिस्तान ने तालिबानी शासित अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक कर दी। इससे दोनों देशों के बीच कट्टर दुश्मनी बढ़ती नजर आने लगी है। इस पर अफगानिस्तान ने विरोध जताते हुए कहा कि इस हमले का बदला हर हाल में लेंगे। दरअसल, हम बात कर रहे हैं पड़ोसी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान की जहां इस समय तनाव चरम पर हैं। ये स्थिति मंगलवार को उस वक्त और ज्यादा बिगड़ गई जब अफगानिस्तान के पूर्वी पक्तिका प्रांत में पाकिस्तान की सेना ने एयरस्ट्राइक की। इस हवाई हमले में 46 लोगों की मौत हुई है। जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। लेकिन इस हमले के बाद अब तालिबान ने पाकिस्तान को खुलेआम चुनौती दी है। तालिबान ने कहा है कि वह इसका बदला जरूर लेगा। बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में इस तरह की बमबारी की हो। इससे पहले इसी साल मार्च में पाकिस्तान ने पक्तिका और सापर जिलों में बमबारी की थी।

रिहाई के बाद आक्रमक दिखे किसान नेता सुखबीर खलीफा, फिर से धरने का एलान

एजेंसी, ग्रेटर नोएडा

नोएडा में किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले किसान नेता सुखबीर खलीफा शुक्रवार को लुक्सर जेल से रिहा हो गए हैं। जेल से बाहर आने पर किसानों ने उनका स्वागत किया। जेल से बाहर आने पर वह फिर आक्रमक नजर आए। उन्होंने एलान किया कि किसान फिर से धरने पर बैठेंगे और मांगे न माने जाने तक किसानों का आंदोलन जारी रहेगा। दरअसल, किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले सुखबीर खलीफा को 25 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। तभी से वह अन्य किसानों के साथ जेल में थे। शुक्रवार को जेल से रिहा हुए किसान नेता सुखबीर खलीफा ने फिर से धरने पर बैठने का एलान किया है। उन्होंने कहा कि अगर समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो एक बार फिर आंदोलन किया जाएगा। इसके लिए किसान रणनीति बना रहे हैं। उन्होंने सहयोग करने पर नोएडा के किसानों और वकीलों को आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि संयुक्त किसान मोर्चा ने 10 प्रतिशत आबादी भूखंड, बढ़ा हुआ 64.7 प्रतिशत मुआवजा और नए भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करने की मांग को लेकर 25 नवंबर से महापंचायत शुरू की थी। हजारों को संख्या में किसानों ने पहले ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण कार्यालय के बाहर दो दिन तक डेरा डालकर विरोध जताया। इसके बाद किसानों ने यमुना विकास प्राधिकरण कार्यालय के बाहर डेरा डालने गए थे। इसी बीच शासन-प्रशासन से वार्ता विफल होने के बाद 2 दिसंबर को संयुक्त किसान मोर्चा में शामिल 10 संगठनों ने अपनी 4 प्रमुख मांगों को लेकर दिल्ली कूच का एलान किया था। अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसानों ने 7 दिन का समय दिया और आंदोलन को नोएडा के दलित प्रेरणास्थल पर शिफ्ट कर दिया, लेकिन इसके बाद पुलिस ने दलित प्रेरणास्थल आने वाले किसानों को रोक दिया और ज़ीरो प्वाइंट से आठ किसान नेताओं समेत 1 23 किसानों को गिरफ्तार किया गया था तभी से वे लुकसर जेल में थे।

अखिलेश महाकुंभ में डुबकी लगाएं, निगेटिविटी धुल जाएगी

उन्हें हर काम में कमी दिखती है : मुख्तार अब्बास नकवी

मुख्तार अब्बास नकवी ने प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव पर निशाना साधा

एजेंसी, प्रयागराज

पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा- अखिलेश यादव महाकुंभ में एक बार डुबकी लगा लें तो उनकी सारी निगेटिविटी धुल जाएगी। जिनकी मानसिकता में ही निगेटिविटी भरी हो, उन लोगों को हर काम में कमी दिखाई देती है। इससे वह समाज में भ्रम और भय पैदा करते हैं। नकवी महाकुंभ की तैयारियों के बीच शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे हैं। जहां उन्होंने अखिलेश यादव के X पर पोस्ट को लेकर जमकर निशाना साधा। अखिलेश ने 25 और 26 दिसंबर को महाकुंभ की तैयारियों पर सवाल किए थे। मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा- महाकुंभ की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सभी कार्य समय से पूरे होंगे। महाकुंभ पर पूरे विश्व की नजर है। योगी सरकार इसे भव्य, दिव्य बनाने में जुटी है। इस बार महाकुंभ पूरे विश्व के लोगों को भारत की भव्य और दिव्य छवि को दिखाएगा। यूपी में योगी सरकार में जिस प्रकार से दंगाइयों और गुंडों की कुटाई हुई है। उसको सभी ने देखा है। ऐसे में उनके हश्र को देखने के बाद किसी में भी हिम्मत नहीं होगी कि वह महाकुंभ में इस प्रकार हरकत करें। योगी सरकार की तरफ से महाकुंभ की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं। मैंने खुद आज सुबह संगम क्षेत्र देखा है। जहां व्यवस्थाएं दुरुस्त दिखी हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा- देश ने पूर्व प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जो विकास किया है, उसे सभी जानते हैं। आत्मनिर्भर भारत का जो सफल सफर है। उसे आगे बढ़ाने के मजबूत स्तंभ मनमोहन सिंह थे। बिना किसी राजनैतिक परिवार के उन्होंने यहां तक का सफर तय किया। उनके साथ संसद में काफी समय बिताने का मौका मिला। वह कुशल व्यवहार के धनी व्यक्ति थे। उनके जाने से देश को क्षति हुई है।

उन्होंने- संघ प्रमुख मोहन भागवत के दिए बयान कि हर धार्मिक स्थल के नीचे मंदिर नहीं खोजना चाहिए, इससे सौहार्द बिगड़ेगा। इस पर अपनी सहमति जताई। उन्होंने कहा- कुछ विदेशी आक्रमणकारियों ने देश में जो किया, उस कलंक को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

देश ने एक विद्वान अर्थशास्त्री और नेतृत्वकर्ता खो दिया : हेमंत

बाढ़। भूतपूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के असामयिक निधन पर बिहार प्रदेश कांग्रेस के पूर्व संगठन सचिव हेमंत कुमार ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके असामयिक निधन से भारत को अपूरणीय क्षति हुई है।देश ने एक विद्वान अर्थशास्त्री और कुशल नेतृत्वकर्ता को खो दिया है। वे सादगी की अप्रतिम प्रतिमूर्ति थे। उनके अनायास चले जाने से भारतीय संसदीय राजनीति के सुनहरे युग का अंत हो गया है।

बेशर्मी के शिखर पर विराजमान हैं तेजस्वी : प्रभाकर मिश्र

» कम उम्र में करोड़ों की अवैध संपत्ति के मालिक बने तेजस्वी के मुंह से नैतिकता की बात हास्यास्पद

» नकारात्मक राजनीति के पर्याय बन चुके हैं तेजस्वी

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि तेजस्वी यादव कभी सही काम कर ही नहीं सकते। ये नकारात्मक राजनीति के पर्याय बन चुके हैं। अपने स्वार्थ के अलावा तेजस्वी को कुछ दिखाई नहीं देता। श्री मिश्र ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जिसका पढ़ाई-लिखाई से कभी कोई मतलब नहीं रहा, वह आदमी प्रदर्शनकारी बीपीएससी अभ्यर्थियों की बात को कैसे समझ सकता है। धरना-प्रदर्शन में शामिल होने और हवा-हवाई बातें करने से न तो तेजस्वी बड़ा नेता बन जाएंगे और न ही 2025 में अपनी पार्टी को जीत दिला पाएंगे। जनहित और राष्ट्रहित के लिए सत्य के साथ खड़ा रहना राजनीति में सफलता पाने की पहली शर्त है। लेकिन, तेजस्वी ने लोगों को गुमराह करने का रास्ता अपना लिया है। यह रास्ता उन्हें राजनीतिक पराभव की ओर ले जायेगा। श्री मिश्र ने कहा कि तेजस्वी के पास अगर थोड़ी संवेदना होती, तो ये बीपीएससी अभ्यर्थियों को कभी मुंह दिखाने की हिम्मत नहीं करते। क्योंकि लालू- राबड़ी के 15 वर्षों के शासनकाल में कितने युवाओं का भविष्य तबाह हुआ, उसकी गिनती नहीं है। सही मायने लालू-राबड़ी और उसके बाद तेजस्वी युवाओं के सबसे बड़े दुश्मन हैं। तेजस्वी यादव कोई एक अच्छा काम बताएं, जो लालू-राबड़ी ने प्रदेश के युवाओं के लिए किया है? श्री मिश्र ने कहा कि राजद सहित महागठबंधन के सभी घटक दल अपनी सियासी जमीन तलाश रहे रहे हैं, इसलिए आजकल ये धरना स्थलों पर भटकते देखे जाते हैं। बीपीएससी अभ्यर्थियों का धरना स्थल मानो विपक्षी नेताओं का तीर्थस्थल बन गया है। तेजस्वी यादव कभी किसी प्रतियोगी परीक्षा शामिल तो हुए नहीं, न ही उच्च शिक्षा का कोई ज्ञान है है। इनके लिए धरना स्थल ही चेहरा चमकाने का एकमात्र जगह है। तेजस्वी बेशर्मी के शिखर पर बैठे हैं, इसलिए अल्प आयु में ही करोड़ों करोड़ की अवैध संपत्ति के मालिक बने तेजस्वी को परीक्षा की नैतिकता पर प्रवचन देते हुए शर्म नहीं आती।

बापू के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम पर हंगामा करना राष्ट्रपिता का अपमान : भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि भाजपा के बड़े नेताओं की मौजूदगी में बाबू के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम गाने पर हंगामा करना और लोक गायिका देवी से माफी मंगवाना राष्ट्रपिता का अपमान है। भाकपा इस घटना का निंदा करती है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से दोषी व्यक्ति के खिलाफ सख्त करवाई करने की मांग करती है। भाजपा के लोग लगातार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और अम्बेड़कर का अपमान कर रहे हैं। गांधी और अम्वेडकर लोगों दिल में बसे हुए हैं। बिहार की जनता गांधी और अम्वेडकर का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी।भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि बिहार वामपंथियों और समाजवादियों की धरती है। बिहार में भाजपा वैशाखी के सहारे है।अपने पैर पर खड़ा होने के लिए छटपटा रही है। इसलिए बापू का प्रिय भजन गाने पर भाजपा नेताओं ने लोकगायिका देवी जी को माफी मांगने पर मजबूर किया। ह्यह्यरघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीतारामह्लह्ल उनसे नहीं सुना गया। दुनिया को दिखाने के लिए बापू को फूल चढ़ाते हैं, लेकिन असल में उनके प्रति कोई आदर नहीं है। दिखावे के लिए बाबासाहेब भीम राव अंबेडकर का नाम लेते हैं, लेकिन असल में उनका अपमान करते हैं। भाजपा को सहिष्णु और समावेशी संस्कृति-परंपरा से इतनी नफरत है कि वे अब महापुरुषों को बार-बार अपमानित करने लगे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस मुख्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

पटना। पूर्व प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आज श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर कांग्रेस नेताओं द्वारा उनके तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर शोक व्यक्त किया गया। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रो रामजतन सिन्हा ने की। श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रो रामजतन सिंहा ने कहा कि मनमोहन सिंह को उनके सामाजिक, राजनीतिक और वैश्विक योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 2004 से 2014 तक वें देश के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो बार अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किए। इस दौरान देश को कई बार आर्थिक उलझनों से बाहर निकाला। इससे पहले उन्होंने साल 1991 में, पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में भारतीय अर्थव्यवस्था को नया रूप दिया। उन्होंने उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों को अपनाया। इन नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजार के लिए खोल दिया। पद्म विभूषण से सम्मानित राजनेता के व्यक्तित्व से सभी को प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने उन्हें अपना मार्गदर्शक बताया और उनके निधन को देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया। पुष्पांजलि के पश्चात कांग्रेस नेताओं ने दो मिनट का मौन दिवंगत प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए रखा और अपनी संवेदनाएं प्रकट की। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष प्रो रामजतन सिन्हा के अलावे पूर्व मंत्री अफाक आलम, संजीव प्रसाद टोनी, प्रेमचन्द्र मिश्रा, ब्रजेश पाण्डेय, निर्मल वर्मा, राजेश राठौड़, लाल बाबू लाल, ब्रजेश प्रसाद मुनन, डा. अजय कुमार सिंह, विनय वर्मा, प्रो. अम्बुज किशोर झा, आनन्द माधव, डा. संजय यादव, कुमार आशीष, ज्ञान रंजन, डॉ. स्नेहाशीष वर्द्धन पाण्डेय, निधि पाण्डेय, शशि रंजन, मंजीत आनन्द साहू, रीता सिंह, राज छविराज, मृणाल अनामय, सुदय शर्मा, मोहम्मद कामरान, सुधीर शर्मा, हीरा सिंह बग्गा ,रवि कुमार, विमलेश तिवारी, निशांत करपटने सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद थे।

डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर संजय झा ने व्यक्त की शोक-संवेदना

पटना। देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने गहरी शोक-संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह के निधन की खबर अत्यंत दुखद और देश के लिए अपूर्णीय क्षति है। वो एक दूरदर्शी नेता और महान अर्थशास्त्री थे। डॉ सिंह का कुशल नेतृत्व और उनके द्वारा देशहित में किए गए परिवर्तनकारी सुधार हमेशा स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगे। आगे उन्होंने कहा कि डॉ सिंह विनम्रता और सहजता भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और उनके प्रियजनों को कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना करते हैं।

मनमोहन सिंह के निधन पर चैम्बर की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं प्रख्यात अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह के निधन पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए शुक्रवार संध्या में बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रांगण में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें ईश्वर से प्रार्थना की गयी कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं उनके शोक संतप्त परिवार को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें । चैम्बर की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा गया कि बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के लिए यह सौभाग्य की बात है कि मनमोहन सिंह को दिनांक 3 नवम्बर 1995 को माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री के रूप में सम्मानित करने एवं उनके सुविचारों को सुनने का अवसर राज्य के उद्यमियों एवं व्यवसाइयों को मिला है। सिंह अपनी सरलता, ईमानदारी एवं उत्कृष्ट आर्थिक नीतियों के लिए जाने जाते थे। चैम्बर की ओर से यह भी कहा गया कि 1991 में, भारत जब गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा था, उस समय मनमोहन सिंह को देश का वित्त मंत्री बनाया गया था। उन्होंने ऐतिहासिक आर्थिक सुधार कि शुरुआत की, जिसने भारत को आर्थिक उदारीकरण की राह पर आगे बढ़ाया। उनके नेतृत्व में अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में विदेशी निवेश के दरवाजे खुले और देश के आर्थिक विकास को गति मिला । चैम्बर की ओर से इस श्रद्धांजलि सभा में उपाध्यक्ष आशीष शंकर, महामंत्री पशुपति नाथ पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष पी० के० अग्रवाल, कार्यकारणी सदस्य विशाल टेकरीवाल, अशोक कुमार, सुनील सर्राफ, पवन भगत, राजा बाबु गुप्ता एवं सम्मानित सदस्य सम्मिलित हुए

नीतीश कुमार की सरकार में कला-संस्कृति के क्षेत्र में नया आयाम गढ़ रहा बिहार : हिमराज

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में बिहार नया आयाम गढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में राज्य की प्रतिष्ठा स्थापित करने के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। इससे ना केवल बिहार को देशभर में नई पहचान मिल सकेगी बल्कि स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर स्थानीय प्रतिभाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न हो सकेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सरकार की कोशिशों के चलते अब बिहार के फिल्म निर्माण से जुड़े प्रतिभावान युवाओं को मुंबई के चक्कर लगाने की जरुरत नहीं पड़ेगी और अब वो अपने राज्य में ही फिल्म निर्माण के क्षेत्र में असीमित मौका पा सकेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में फिल्मों की शूटिंग हो और स्थानीय कलाकारों को मौका मिले इसको लेकर नई फिल्म प्रोत्साहन नीति बनायी गयी है जिसके तहत राज्य में हिंदी फिल्म की शूटिंग करने वालों को पच्चीस फीसदी तक एवं क्षेत्रीय फिल्म की शूटिंग करने पर पचास फीसदी सब्सिडी देने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त इस नीति के तहत प्रदेश में फिल्मों की शूटिंग राज्य सरकार फिल्म निमार्ताओं को जरुरी सुविधाएं भी मुहैया कराएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिंगल विंडो सिस्टम के तहत ऑनलाइन आवेदन करने वालों को एनओसी प्रदान किया जाएगा। पार्टी प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि राज्य में फिल्म के विकास हेतु फिल्म सिटी के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने राजगीर में बीस एकड़ जमीन अधिगृहित करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में नई फिल्म नीति बनने के बाद अब फिल्म सिटी, एफटीटआईआई, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के बिहार चैप्टर की स्थापना की तैयारी चल रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक सभा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया । मौके पर उपस्थित फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि महान अर्थशास्त्री को खोना भारत के लिए अपूर्णीय क्षति है । डॉ मनमोहन सिंह ने कई बार राज्य सभा सांसद , पीवी नरसिम्हा राव के सरकार में वित्त मंत्री रहे । दस वर्षों तक प्रधानमंत्री रहकर देश की सेबा किया और देश को गति देने का काम किया है । सूचना का अधिकार , रोजगार गारंटी योजना, भोजन का अधिकार महत्वपूर्ण कदम रहा । सभी धर्मों के बीच समन्वय स्थापित करने में इन्होंने अहम भूमिका निभाई । वहीँ एनजीओ हेल्पलाइन के निदेशक पंडित संजय कुमार झा ने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह देश के सबसे कमजोर प्रधानमंत्री सावित हुये और इनके सासन काल मे सर्वाधिक घोटाला हुआ । वही हमारा भारत हमारा भविष्य के अध्यक्ष मो आशिफ ने बताया कि डॉ मनमोहन सिंह का निधन अपूर्णीय क्षति है इन्हें पूरा देश हमेशा याद रखेगा । दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दिया गया । मौके पर प्रेरणा विजय, कन्हैया शंकर, आनंद कुमार, चंदन कुमार, अमृत राज, सोनू पटेल, मो राजू ,चंचल रानी, नीतू कुमारी, स्वीटी कुमारी मौजूद रहे ।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार की राजनीति के लिए स्तम्भ : सेतु

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जदयू के प्रदेश महासचिव ओम प्रकाश सिंह सेतु ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रदेश की राजनीति के लिए अद्वितीय हैं उनके सामान ना कोई हुआ है और ना कोई होगा। श्री सेतु महुआ विधान सभा क्षेत्र के आबबकरपुर अख्तियारपुर सेहान में जेडीयू की कार्यकर्ता बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में लगातार 2005 से ही विकास की नई गाथा लिखी जा रही है और प्रदेश का उत्तरोत्तर विकास हो रहा है। इनके द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से समाज का हर वर्ग एवं सभी समाज के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। बिहार के विकास के लिए इनके द्वारा चलाई जा रही योजनाएं मिल का पत्थर साबित हो रही है। श्री सेतु ने कहा की बिहार में न्याय के साथ विकास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास की गंगा बहने लगी। श्री सेतु ने कहा कि उनके कार्यकाल में चलाई जा रही योजनाएं मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना, पंचायती राज में महिलाओं को आरक्षण, हर घर बिजली, हर घर नल का जल सहित कई योजनाओं को देश के दूसरे राज्य अपना कर बिहार से प्रेरणा ले रहे हैं। पार्टी के पंचायत अध्यक्ष और बुथ अध्यक्ष पार्टी रीढ़ होते हैं और संगठन को मजबूती पर बल दे। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष उमेश भगत, पंचायत अध्यक्ष हरिचन्द्र सिंह, कैलाश भगत सहित पार्टी की कई नेताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

पूर्व मंत्री समाजवादी योद्धा मुंशी लाल राय का धूमधाम से मना 10वीं पुण्यतिथि

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। महनार अनुमंडल के जन्मदाता देसरी प्रखंड, चांदपुर एवं सहदेई बुजुर्ग थाना के रचनाकार, डॉ राम मनोहर लोहिया, आचार्य कृपलानी, मधुलिमय, मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, जननायक कर्पूरी ठाकुर जी एवं देश के सबसे बड़े किसान नेता चौधरी चरण सिंह के सबसे नजदीकी नेताओं में से एक बिहार सरकार के पूर्व मंत्री महान समाजवादी योद्धा मुंशीलाल राय जी के दसवीं पुण्यतिथि धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के अध्यक्षता प्रदीप राय जी अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ बिहार एवं स्वागताध्यक्ष अरुण राय प्रखंड अध्यक्ष राष्ट्रीय जनता दल महनार कार्यक्रम के संचालन पूर्व प्रदेश महासचिव राष्ट्रीय जनता दल के जवाहर शाह ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्री शिवचंद्र राम एवं राष्ट्रीय जनता दल वैशाली के जिला प्रधान महासचिव संजय कुमार राय ने कहा कि महनार विधानसभा क्षेत्र में मुंशी बाबू को एक विचारधारा के रूप में समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों को उत्थान प्रगति महनार के गीता उत्सव हॉल निबंधन कार्यालय के बगल में बड़ी धूमधाम से महनार अनुमंडल भर के साथियों द्वारा पुण्यतिथि मनाया गया मैं उन तमाम साथियों को दिल के गहराइयों से कोटि-कोटि धन्यवाद बधाई देता हूं आभार प्रकट करता हूं शिक्षित बनाने का जो उनका मिशन रहा है विकास के प्रति जो उनका लगाव रहा है हम उनको याद करते रहें मुंशी बाबू कोई नेता नहीं एक विचारधारा थे और समाजवाद को देशभर में जागने का काम किया उन्हीं के प्रयास से देश में समाजवाद का धारा चल रहा है मुंशी बाबू एक सच्चे समाजवादी समाज सुधारक व्यक्ति थे उन्हीं का प्रतिफल है दलित शोषित पिछड़ा अति पिछड़ा उन्नति प्रगति के पथ पर चल रहा है।, मौके पर श्री सत्येंद्र प्रसाद राय पूर्व प्रदेश महासचिव राष्ट्रीय जनता दल बिहार, महनार के शिक्षाविद श्री रविंद्र नाथ राय अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षक संघ बिहार, श्री प्रोफेसर राम लवली राय श्री मृत्युंजय कुमार सिंह उर्फ गुल्लू सिंह महनार नगरपरिषद के सभापति श्री रमेश राय विआईपी पार्टी के जिला अध्यक्ष जंदाहा प्रखंड के प्रमुख ओमप्रकाश साहनी जी, देसरी प्रखंड के पूर्व प्रमुख राम जन्म राय जी, राजद के जिला महासचिव बैजनाथ राय जी, राजद के जिला उपाध्यक्ष राम श्लोक राय जी, राजद के जंदाहा प्रखंड के अध्यक्ष राजेश ठाकुर,जंदाहा राजद के प्रधान महासचिव भोला राय, जितेंद्र लोहिया,अभय कुमार राय पूर्व मुखिया मोहम्मदपुर, पूर्व जिला पार्षद अविनाश राय, अनुमंडल अध्यक्ष श्री सुरेंद्र राय, चकेसो पंचायत के पंचायत अध्यक्ष परमानंद राय सहित अन्य भी शामिल रहे।

डॉ मनमोहन सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था को दिशा दी : सुमन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। प्रावैधिकी एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर गहरी शोक संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। डॉ सुमन ने शोक संदेश में कहा कि मनमोहन सिंह ने भारत में आर्थिक सुधार को गति दी और उदारवाद की नींव डाली थी। उन्होंने भारत के आर्थिक विकास की राह आसान करने का भरसक प्रयास किया।वह सादगी के प्रतीक नेता के बतौर विख्यात थे। उन्होंने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह के जीवन मूल्यों से कांग्रेस को भी बहुत कुछ सीख लेनी चाहिए। उनके निधन से भारतीय राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र को बड़ी क्षति पहुंची है।ईश्वर उनकी आत्मा को शांति और दुख की घड़ी में उनके शोक संतप्त परिजनों को धैर्य व साहस प्रदान करें।

नीतीश कुमार की शागिर्दी के लिए सभी बेचैन : नवल शर्मा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। नीतीश कुमार में कुछ तो खास है जिसके चलते सब उनकी शागिर्दी के लिए बेचैन रहते हैं, उनकी रणनीति और जनाकर्षण के आगे नतमस्तक रहते हैं, खासकर राजद के लोग। इसलिए कि नीतीश उस पारसमणी की तरह हैं जिसके संपर्क में आने पर लोहा भी सोना बन जाता है। सारे बिहारवासी जानते हैं कि नीतीश कुमार की पूंजी कोई जातीय समीकरण या सांप्रदायिक धुरवीकरण नहीं है बल्कि असली पूंजी विकास और सुशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता है। उनकी ईमानदारी और उनकी नीयत है। लोगों ने एक निःस्वार्थ और निर्लिप्त संत की तरह उन्हें बिहार को आगे ले जाने की धुन में मगन देखा है। लालू प्रसाद की तरह न धन जोड़ने की लिप्सा न परिवार को आगे बढ़ाने की कोई ललक। इसीलिए नीतीश कुमार को बिहार की सभी जातियों और वर्गों का समर्थन है।

अंगिका' को भाषा का रूप प्रदान किया परमानंद पाण्डेय ने

नई सोच एक्सप्रेस

» अंगिका' को भाषा का रूप प्रदान किया परमानंद पाण्डेय ने

» राजनीति में साहित्यिक हस्तक्षेप थे डा शंकर दयाल सिंह

» दोनों साहित्यिक विभूतियों को साहित्य सम्मेलन ने दी काव्यांजलि

पटना। अंगिका भाषा और साहित्य के उद्धारकों में महाकवि परमानंद पाण्डेय का स्थान श्रेष्ठतम है। अंगप्रदेश की इस बोली को पाण्डेय जी ने भाषा का रूप प्रदान किया। इन्हें अंगिका का दधीचि साहित्यकार माना जाता है। दूसरी ओर हिन्दी के यशस्वी साहित्यकार डा शंकर दयाल सिंह राजनीति में एक सुदृढ़ साहित्यिक हस्तक्षेप थे। यह बातें शुक्रवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में दोनों महान हिन्दी-सेवियों की जयंती पर आयोजित समारोह और कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। डा सुलभ ने कहा कि पाण्डेय जी ने अंगिका का व्याकरण लिखा। 'अंगिका का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन' सात सौ पृष्ठों में लिखा गया उनका महान ग्रंथ है। डा सुलभ ने कहा कि शंकर दयाल जी अपने समय के अत्यंत लोकप्रिय और ज़िंदादिल साहित्यकार थे। वे उन्मुक्त ठहाकों के लिए जाने जाते थे। उनके पास आते ही लोग अपनी पीड़ा भूल जाते थे। मात्र ३३ वर्ष की आयु में भारत की ५वीं लोक-सभा के सदस्य निर्वाचित हो गए थे। वे, 'राजनीति की तपती धूप में साहित्य की घनी छांव' थे। अपनी ५८ वर्ष की कुल आयु में उन्होंने ३० से अधिक ग्रंथ लिखे तथा इतनी ही पुस्तकों का संपादन भी किया। उनमें 'राजनीति की धूप और साहित्य की छांव' विशेष उल्लेखनीय है। उन्होंने अपने साहित्यिक और स्वतंत्रता-सेनानी पिता कामता प्रसाद सिंह 'काम' द्वारा स्थापित प्रकाशन संस्थान 'पारिजात प्रकाशन' को एक बड़े साहित्यिक-केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित किया। वे बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अर्थमंत्री भी रहे। डा परमानन्द पाण्डेय के साहित्यकार पुत्र ओम् प्रकाश पाण्डेय 'प्रकाश' ने अपने पिता की स्मृतियों को संजोते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की विस्तारपूर्वक चर्चा की और कहा कि पाण्डेय जी संस्कृत, हिन्दी, फ़ारसी, ऊर्दू और अंग्रेज़ी समेत अनेक भाषाओं के निष्णात विद्वान थे। उनके भीतर ऐसी आध्यात्मिक शक्तियाँ थी कि उनका स्पर्श आराम देता था। जब कभी ज्वर से मैं पीड़ित होता था, अपने स्पर्श से वे हमारे रोग हर लेते थे। सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा मधु वर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार गोपाल भारतीय, प्रो आनन्दमूर्ति, डा मनोज गोवर्द्धनपुरी, वरिष्ठ पत्रकार डा अंजनी राज पाण्डेय तथा सूर्या प्रत्यक्षा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजित कवि-सम्मेलन का आरंभ वरिष्ठ कवि गोपाल भारतीय वाणी-वंदना से किया। वरिष्ठ कवि प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, शुभचंद्र सिन्हा, डा अर्चना त्रिपाठी, ई अशोक कुमार, पं गणेश झा, जय प्रकाश पुजारी, शंकर शरण आर्य, सूर्य प्रकाश उपाध्याय, सूबेदार नन्द किशोर साहू आदि कवियों और ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने किया। सम्मेलन के प्रशासी पदाधिकारी सूबेदार नन्दन कुमार मीत, चंद्रशेखर प्रसाद, रवींद्र कुमार, राजू राज, डौली कुमारी, महेश प्रसाद आदि प्रबुद्धजन समारोह उपस्थित थे।

33 साल बिना चुनाव लड़े सांसद 10 साल प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

» 19 साल बिना चुनाव लड़े मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार

फतुहा। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को अपने-अपने तरीके से याद कर रहे हैं, भले ही मनमोहन सिंह शांत स्वभाव के थे और कम बोलते थे। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह को एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री कहा गया, लेकिन उन्होंने सारे कयासों को गलत करते हुए राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई ।मनमोहन सिंह ने अपनी पहचान एक राजनेता से कहीं अधिक कुशल अर्थशास्त्री के तौर पर बनायी। उन्होंने अपनी समझ और बुझ से न सिर्फ दिवालिया होती भारतीय अर्थव्यवस्था को बाहर निकला बल्कि दुनिया के लिए उदारी करण दरवाजा खोलकर भारत को दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने का रास्ता साफ कर दिया। दूसरी ओर बिहार के बर्तमान मुख्य मंत्री नीतीश कुमार तीन बार देश के मंत्री रह चुके हैं कृषि मंत्री, सड़क मंत्री,रेल मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने ही फतुहा से इसलाम पुर तक रेलवे चालु किया। बाद में 2005 से लगातार अभी तक मुख्यमंत्री बीच में कुछ दिन इनके द्वारा बनाए गए जीतन मांझी तथा अभी भी नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। नीतीश कुमार ने बिहार के विकास के लिए कई काम किया । भाजपा के सहयोग से सड़कों का जाल बिछा दिया गया।घर - घर बिजली पहुंचा दिया। महिला को आरक्षण देकर पंचायत, नगर परिषद, स्कूल और पुलिस में महिलाओं कि संख्या में भारी बढ़ोतरी कर दी गई है। महिला पुलिस को पेट्रोलियम के समय भारी मुसीबत देखी जा रही है जिसका मुख्य कारण है बाथ रूम का अभाव। बताया जाता है कि पुलिस की संख्या, अपराध और भ्रष्टाचार में भी काफी विकास हुई है। सबसे आश्चर्यजनक बातें हैं कि जदयू भाजपा का बैतरनी नदी की काम कर रही है। बिहार के धरती पर भाजपा में एक भी मुख्यमंत्री लायक नहीं है जिसे नीतीश कुमार मुख्यमंत्री का ताज पहनावें। नीतीश कुमार ने भाजपा के कोटा से दो को उपमुख्यमंत्री बना दिया। दोनों मौनी बाबा बन गए। कारण है कि दोनों उपमुख्यमंत्री को अपने अधिकार और कर्तव्य का जानकारी तक नहीं है। कुछ भी अधिकार और कर्तव्य की जानकारी होती है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गरीबों की जनहित में चलाई जा रहे 300 से ज्यादा योजनाओं को घर-घर तक पहुंचा देते।

संक्षिप्त समाचार

न्यू ईयर इव सेलिब्रेशन के दौरान "कसीनो नाइट" में होगा 31 दिसंबर को मस्ती और धमाल

पटना। 31 दिसंबर की शाम को गार्गी ग्रैंड होटल, एजीबिशन रोड में न्यू ईयर इव सेलिब्रेशन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कसीनो नाइट की शानदार शाम होगी। इस कार्यक्रम में बॉलीवुड एक्ट्रेस लेखा प्रजापति मुख्य आकर्षण होंगी, जिनके साथ वेस्टर्न फ्यूजन डांस, बेली डांस, मुजरा और आल स्टार्स डांस ट्रूप्स भी दर्शकों को अपनी प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध करेंगे।इसके अलावा, दीपक स्नेही, प्रिया और आयुषी दुबे अपनी गायकी से पटना वासियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। सेलिब्रिटी एंकर उन्नति पांडेय, दिव्या मौनी और सैफ खान इस शाम को और भी खास बनाएंगे। इस कसीनो नाइट में नेल पेंट्स, टैटू आर्टिस्ट, किड्स प्ले जोन, पल्मिस्ट, सेल्फी जोन, डीजे, लाइव सिंगिंग, गिटार और सेक्सफोन जैसी शानदार गतिविधियाँ भी होंगी।

ईश्वर प्राप्ति की साधना सत्संग से मिलती है : आलोक भैया

पटना। रामाश्रम सत्संग मथुरा उपकेन्द्र पटना का तीन दिवसीय आध्यात्मिक सत्संग समारोह गर्दनीबाग गेट पब्लिक लाइब्रेरी में शुक्रवार से आरंभ हुआ। यह सत्संग सह वार्षिकोत्सव समर्थ गुरु ब्रह्मलीन संत चतुर्भुज सहाय जी के बताये गये ध्यान के मुताबिक चलता है। रामाश्रम सत्संग मथुरा से इजाजत प्राप्त वर्तमान गुरु आलोक कुमार जी ने कहा कि गृहस्थ लोगों के लिए इस सत्संग में ईश्वर प्राप्ति की साधना सत्संग से मिलती है। उन्होंने कहा कि देवता भी सत्संग में आने हेतु तरसते हैं।गुरु महाराज के दरबार में आने हेतु कितने जन्म लग जाते है।अतः जितने भक्त आए हैं,सभी सौभाग्यशाली हैं। सत्संग में केवल बैठने से गुरु प्रकाश के रूप में हमारे हृदय को प्रकाशित कर हमारे संस्कारों को जागृत करता है। आलोक कुमार ने कहा कि भगवान का सानिध्य पाने का मार्ग गुरु बताते हैं और वह हमें समर्थ गुरु बताते हैं। ईश्वर प्राप्ति के घर छोड़ने की जरूरत नहीं है यह गृहस्थ जीवन जीकर भी मिल सकती है। इस मौके पर रामाश्रम सत्संग समिति के सदस्य पूर्व विधान पार्षद डॉ रणवीर नंदन ने बताया कि 2018 के बाद पटना में यह सत्संग हो रहा है। वैसे यह भंडारा दो वर्ष के अंतराल में पटना में भंडारा आयोजित होता है। इसमें पूरे बिहार से लगभग 10 हजार से अधिक सत्संग भाई बहन भाग ले रहे हैं जिसके लिए लगर प्रसाद व रहने खाने की व्यवस्था की गयी है। प्रो नंदन ने बताया कि हम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अनुगृहित हैं जिनके कारण इस सत्संग में निर्बाध रूप से बिजली व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, पुरुष एवं महिलाओं के लिए चलित शौचालय एवं पीने के पानी की व्यवस्था की गयी है। गुरु महाराज की कृपा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बनी रहे। इस मौके पर मथुरा से इजाजत पाप्त आचार्य अमित कुमार जयपुर, डॉ मोहित कुमार जयपुर, संजीव कुमार एवं स्थानीय आचार्य अमरेन्द्र कुमार सिन्हा, ओम नारायण शर्मा, सौरभ सहाय,डॉ ज्योति प्रसाद सहित कई आचार्य ने भी संबोधित किया।

बिहार महिला राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में

पटना। रायगढ़ (महाराष्ट्र) में खेली जा रही 70वीं सीनियर राष्ट्रीय महिला बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप के पूल 'बी' के महत्वपूर्ण लीग मुकाबले में बिहार ने तेलंगाना को 35-22,35-13 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस बात की जानकारी देते हुए बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव गौरी शंकर ने बताया कि बिहार की ओर से कप्तान प्रिया सिंह,वंदना कुमारी,युक्ता रानी,पूनम कुमारी ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

कासा पिकोला स्कूल क्रिकेट लीग के तीसरा सेलेक्शन ट्रायल 29 दिसंबर को

पटना। टर्निंग प्वाइंट की ओर से आयोजित होने वाले कासा पिकोला स्कूल क्रिकेट लीग अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण में भाग लेने वाली टीमों के गठन के लिए तीसरा सेलेक्शन ट्रायल 29 दिसंबर को आयोजित किया जायेगा। यह सेलेक्शन ट्रायल एसडीवी पब्लिक स्कूल, कुरथौल के ग्राउंड पर सुबह 8 बजे से आयोजित किया गया है।इसकी जानकारी देते हुए टर्निंग प्वांयट के निदेशक सह आयोजन अध्यक्ष विजय शर्मा ने बताया कि इस लीग में केवल पटना के स्कूल के छात्र खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं।ट्रायल प्रभारी सुमित शर्मा ने बताया कि चयन ट्रायल सुबह 8 बजे से आयोजित किया गया है। खिलाड़ी अपने कीट सहित आधार कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र व दो पासपोर्ट साइज दो फोटो के साथ ट्रायल में हिस्सा ले सकते हैं। आयोजन सचिव नवीन कुमार ने बताया कि दूसरे ट्रायल से तीन टीमों का गठन किया जायेगा। ट्रायल के संबंध में विशेष जानकारी के लिए संयोजक सुमित शर्मा व आयोजन सचिव नवीन कुमार से संपर्क कर सकते हैं।

पुलिस के एक्शन के बाद गायक ने मांगी माफी

नई सोच एक्सप्रेस

» मीडिया के खिलाफ वायरल वीडियो लिया वापस

पटना। पटना पुलिस के रामकृष्ण नगर थाना के सख्त एक्शन के बाद बेटा म्यूजिक प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले यूट्यूब पर अश्लील वीडियो के माध्यम से मीडिया जगत की सामाजिक प्रतिष्ठा को आघात पहुंचाने यह मीडिया कर्मियों को गाली देने वाला वीडियो मार्केट से वापस लिया गया। इस वीडियो के गायक अर्जुन लाल यादव ने सार्वजनिक माफी मांगी और थाना में में लिखित माफी नाम भी दिया। बेटा म्यूजिक कंपनी ने अर्जुन लाल यादव का "मीडिया के दिदिया छिनार हो गैल"यूट्यूब वीडियो जारी कर मीडिया जगत् को गलियाने का काम किया था। इसकी जानकारी होते हैं भारतीय श्रमजीव पत्रकार संघ के राष्ट्रीय सचिव एवं वरीय पत्रकार सह क्राइम रिपोर्टर एस एन श्याम और पटना के पत्रकारों ने रामकृष्ण नगर थाना में गायक अर्जुन लाल यादव और म्यूजिक कंपनी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराया। संघ के बिहार शाखा के राज्य कार्यकारनि सदस्य एवं द बिहार टीवी के रिपोर्टर रत्नेश कुमार के हस्ताक्षर से दिए गए शिकायत पत्र में वायरल वीडियो के माध्यम से मीडिया जगत की सामाजिक प्रतिष्ठा को आघात पहुंचाने एवं मीडिया कर्मियों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने का मामला उठाया गया। रामकृष्ण नगर के थानेदार अवधेश सिंह ने संघ की शिकायत पत्र को संजीदगी से संज्ञान लिया शिकायत दर्ज होने के 2 घंटे के भीतर म्यूजिकल कंपनी के कार्यालय पर छापा मारा ।वायरल वीडियो के गायक अर्जुन लाल यादव को हिरासत में लेकर थाना पर लाकर पूछताछ किया। पूछताछ में

अर्जुन लाल यादव ने अपनी गलती स्वीकार की और आनन फानन में वीडियो को यूट्यूब से डिलीट कर दिया ।इतना ही नहीं गायक अर्जुन लाल ने थाने में लिखित माफी नामा देकर संघ एवं पत्रकारों से सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगा। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ और पत्रकार साथियों के साथ ही पुलिस ने भी गायक अर्जुन के माफी नामा को स्वीकार कर उन्हें क्षमादान दे दिया। शिकायत दर्ज करने वाले पत्रकारों के शिष्ट मंडल में में राजेश कुमार (P N I) , दीपक कुमार (प्रत्येक न्यूज़), कुंदन पांडे (B N 24× 7), सिनकी राजपूत (Bihar 24 news) राकेश कुमार (जनपथ न्यूज़), कबीर साहब (THE Bihar TV), विजय कुमार शुक्ला (क्राइम न्यूज़), नीरज कुमार (Bihari breaking) श्रीधर पांडे(केवल सच), सचिन केशव (देखो इंडिया) नीरज कुमार (केवल सच) इत्यादि शामिल थे।

नारायण रेकी सत्संग परिवार द्वारा रिक्शा ठेला वालों को ऊनी जैकेट दिए गए

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। नारायण रेकी सत्संग परिवार द्वारा आज 200 से अधिक रिक्शा ठेला वालों को ठंड से बचाव हेतु ऊनी जैकेट वितरित किए गए। यह वितरण पटना के फ्रेजर रोड में रेडियो स्टेशन के आस-पास रिक्शा ठेला वालों को किया गया था। इस मौके पर नारायण रेकी सत्संग के पटना हेड अरविंद कुमार ने कहा कि हमारा उद्देश्य उन जरूरतमंद लोगों की मदद करना है जो ठंड के मौसम में अपनी जीविका कमाने के लिए संघर्ष करते हैं मंहगे ऊनी कपड़े नही खरीद पाते हैं। हमें उम्मीद है कि ये ऊनी जैकेट उन्हें ठंड से बचाने में मदद करेंगे। कुमार ने कहा कि नारायण रेकी की संस्थापिका राज दीदी भी हमेशा प्रेरित करती हैं कि समाज के गरीब एवं वंचित वर्गों की मदद करने के लिए नारायण रेकी परिवार को हमेशा आगे रहना चाहिए। मौके पर जैकेट वितरण करते हुए सुगादेवी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित राज ने कहा कि अत्यधिक ठंड के कारण रिक्शा ठेला वालों को काफी कठिनाई हो रही थी। जैकेट मिलने से उनकी कठिनाई काम होगी। मौके पर एम पी जैन ने बताया कि नारायण रेकी परिवार के पटना हेड अरविंद कुमार द्वारा पटना के विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों जरूरतमंदों को और ऊनी जैकेट वितरित किया जाएगा। आज का यह आयोजन हमारे इसी प्रयास का एक हिस्सा है।

लाइम झटका के सह-संस्थापक स्टार्टअप अवार्ड से सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित 'न्यू एज स्टार्टअप्स' के एक विशेष समारोह में 'लाइम झटका' के सह-संस्थापक रितेश अग्रवाल और विक्रम शर्मा को 'स्टार्टअप अवाड्र्स' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राममोहन नायडू द्वारा प्रदान किया गया। रितेश और विक्रम की सफलता की कहानी दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प की शक्ति का प्रमाण है। बंगाल के छोटे शहरों से आने वाले, उन्होंने दिखाया है कि मामूली शुरुआत से भी बड़े सपने देखे जा सकते हैं। उनकी यात्रा आकांक्षाओं को वास्तविकता में बदलने में समर्पण और धैर्य के महत्व पर प्रकाश डालती है। इस मान्यता के बारे में रितेश और विक्रम ने कहा, 'हमारा उद्देश्य कुछ ऐसा बनाना था जो भारतीय संस्कृति का स्वाद और गुणवत्ता सामने लाए।' पूर्वी राज्यों में लाइम झटका ने रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हासिल की और नए बाजारों

में उपस्थिति बढ़ाई। लाइम झटका की खासियत इसका स्वाद है। भारतीय मसालों और हर्बल सामग्री का अनूठा मिश्रण ब्रांड को प्रतिस्पर्धी बाजार में अलग खड़ा करता है। उन्होंने नए बाजारों में भी 60 फीसदी से अधिक री-ऑर्डर सफलता हासिल की है।

ऊनी,नेट,सूती कपड़ों,मिट्टी,प्लाई और प्लास्टिक पर मिथिला पेंटिंग सह रेडीमेड कपड़ों की प्रदर्शनी का होगा आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। शुक्रवार को समर्थ नारी समर्थ भारत की बैठक हनुमान नगर पुनाईचक स्थित प्रधान कार्यालय में सम्पन्न हुआ। जिसमें महिलाओं को स्वालंबन योजना के तहत जनवरी के तीसरे सप्ताह में मिथिला पेंटिंग, ऑयल, ब्लॉक पेंटिंग से बने कपड़ों और रेडीमेड कपड़ों,बांधनी साड़ी दुप्पटा,सलवार सूट कांच,मिट्टी के बर्तन,प्लास्टिक,प्लाई इत्यादि पर बनाई गई मधुबनी पेंटिंग की प्रदर्शनी का आयोजन पटना में किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए संगठन की राष्ट्रीय सह संयोजिका बिहार,झारखंड,वेस्ट बंगाल की प्रभारी कला संगम की संचालिका माया श्रीवास्तव ने संगठन के सभी जिलाध्यक्षों और पदाधिकारियों से अपने क्षेत्र के महिलाओं से विचार विमर्श कर उनके द्वारा तैयार किए गए कपड़ों की सूची प्रदेश कार्यालय को 10 जनवरी तक भेजने का निर्देश दिया है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से महिलाएं जहां अपनी प्रतिभा को दिखाएंगी वहीं उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में इस आयोजन में भाग ले। आज की बैठक की अध्यक्षता पुष्पा पाठक,संचालन अनीता मिश्रा, धन्यवाद ज्ञापन मीरा रानी ने किया। इस अवसर पर

प्रदेश उपाध्यक्ष मीना श्रीवास्तव,रागनी देवी,राखी सिंह, निधि सिंह,गीता देवी,संगीता त्रिपाठी, संजू देवी,नीलू शर्मा,लीला देवी ,कविता सिंह,अनिता मिश्रा, मीरा रानी, निशा सिन्हा किरण ठाकुर , पूजा ठाकुर सविता देवी, सुनैना देवी ,इंदु सिंहा,लता कर्ण,मोनिका दास विमला घोष, प्रीति दास, आंचल घोष , सुविधा सेन,निशु घोष,शकुंतला देवी, समायरा,मीना झा आदि उपस्थित थी।

अनवरत 5 साल एकल रंजन का प्रयास नेशन प्राइड अवार्ड

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। कोई झूमता रहा तो कोई गाता रहा मौका था नेशन प्राइड अवार्ड के 5 वे संस्करण के खुबसूरत शाम कि जहां जाते हुए साल कि सुखद विदाई तो आते हुए साल का स्वागत कविता, नृत्य, संगीत और खूबसूरत शेरों शायरी से कि गई बिहर के अलग-अलग क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 21 लोगों को नेशन प्राइड अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजनकर्ता रंजन कुमार ने बताया कि यह नेशन प्राइड अवार्ड का पांचवा साल है। इस वर्ष यह आयोजन पटना के द आर्ट एक्टिविटी सेंटर में किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि समाज सेवी राजू दानवीर मौजूद थे। मौके पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर जीएसएटी कमिश्नर समीर परिमल, गुड्डू बाबा, डॉ. राकेश रंजन, भोजपुरी हास्य कलाकार रोहित

सिंह मटरू,समाजसेविका सोनिया सिंह ने अपनी बातों को रखा। कार्यक्रम की शुरूआत गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर की। सभी अतिथियों को मोमेंटो, पौधा देकर सम्मानित किया गया। सभी गणमान्य अतिथियों ने रंजन कुमार के इस पहल की सराहन की। मौके पर राजू दानवीर का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। रंजन कुमार ने बताया कि बिहार का इतिहास गौरवशाली एवं वैभवशाली रहा है।आज ज्ञान बांटने से कहीं ज्यादा जरूरी प्यार बांटने कि है।राज्य के विभिन्न हिस्सों एवं क्षेत्रों में कई लोग अपने स्तर पर निस्वार्थ भाव से निरंतर बिहार को एक बेहतर और समृद्ध राज्य बनाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्हीं लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हर वर्ष नेशन प्राइड अवार्ड का आयोजन किया जाता रहा है और आगे भी किया जाएगा। नेशन प्राइड अवार्ड पाने वालो में रोहित सिंह मटरू,रीषभ कुमार,सोनिया सिंह, कुमार पंकज सिन्हा,प्रेम कुमार, सुबोध यादव, समीर परिमल, इरशाद सिद्दीक़ी शिबू, आराधना प्रसाद,सलमान सिद्दीक़ी, कुमारी वैष्णवी ,देवराज मुन्ना, प्रवीण कुमार बादल,समेत 21 लोग शामिल रहे।मौके पर संगीतमय कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। प्रस्तुति देने वाले लोगों में सपना राज देवराज मुन्ना, प्रेम कुमार, प्रियंका, प्रवीण कुमार बादल प्रमुख रहें।

आनंद मार्ग धर्म महासम्मेलन के मद्देनजर पुनदाग स्टेशन पर 02 जोड़ी ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

नई सोच एक्सप्रेस

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा हेतु आनंद मार्ग धर्म महासम्मेलन के मद्देनजर दिनांक 27.12.2024 से 04.01.2025 तक 02 जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थायी रूप से पुनदाग स्टेशन पर एक-एक मिनट का ठहराव दिया गया है । गाड़ी संख्या 18105 राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस का पुनदाग स्टेशन पर आगमन समय 22.21 बजे तथा प्रस्थान समय 22.22 बजे निर्धारित किया गया है । जबकि गाड़ी संख्या 18106 जयनगर-राउरकेला एक्सप्रेस का आगमन समय 08.05 बजे तथा प्रस्थान समय एक मिनट बाद 08.06 बजे निर्धारित किया गया है । इसी तरह गाड़ी संख्या 18621 पटना-हटिया एक्सप्रेस का आगमन समय 02.16 बजे एवं प्रस्थान समय 02.17 बजे तथा 18622 हटिया-पटना एक्सप्रेस का पुनदाग स्टेशन पर आगमन समय 00.14 बजे तथा प्रस्थान समय 00.15 बजे निर्धारित किया गया है।

सभी देशों में अपनी-अपनी परंपराओं के साथ मनाया जाता है नववर्ष

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। नववर्ष की खुशी अलग-अलग देशों में अलग अलग तरीकों से सभी धर्मों में और सभी देशों में अपनी-अपनी परंपराओं के साथ मनाया जाता है। भारत एक ऐसा देश है, जहां अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग समय में अलग अलग तरिकों से अपनी संस्कृति और परंपराओं के साथ नववर्ष का उत्सव मनाया जाता है। दुनिया के अधिकतर देश पहली जनवरी को नववर्ष मनाते हैं। पहली जनवरी को नववर्ष मनाने के पीछे हजारों साल पुरानी कहानी है। पांच सौ साल पहले अधिकतर ईसाई बाहुल्य देशों में 25 मार्च और 25 दिसंबर को नया साल मनाया जाता था। पहली बार 45 ईसा पूर्व रोमन राजा जूलियस सीजर ने पहली जनवरी से नया साल मनाने की शुरुआत की थी। भारत में हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ माना जाता है। इसलिए चैत्र महीने की पहली तारीख यानि चैत्र प्रतिपदा को नया साल मनाया जाता है। इस संबंध में ऐसी मान्यता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन से सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। इसी दिन से विक्रम संवत के नए साल की शुरुआत भी होता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार यह तिथि अप्रैल महीने में आती है। कैलेंडर नववर्ष के आगमन में कई लोग जश्न मनाने की तैयारी करते हैं, तो कई लोग भ्रमणादि की प्लानिंग। वहीं, कुछ लोग नये साल सही

ढ़ंग से बीते उसके लिए ग्रह गोचर की जानकारी जानने में हो जाते हैं वयस्थ। वैसे तो 01ली जनवरी को कैलेंडर नववर्ष के रूप में जाना जाता है और इसके लिए सभी लोग 31 दिसम्बर की रात से ही नये वर्ष के आगमन की खुशी मनाने लगते हैं। नववर्ष पर भविष्यवाणी करने वाले विशेषज्ञ ग्रह गोचर की चाल और उससे होने वाले नुकसान और फायदे बताने लगते हैं। इसके साथ ही नुकसान करने वाली ग्रह गोचर को शांत करने के लिए उपाय भी बताते हैं। कुछ विशेषज्ञों ने तो देश, राज्य, देश के प्रधानमंत्री, पार्टियों के संबंध में भी भविष्यवाणी करने लग जाते हैं। जूलियस सीजर ने खगोलविदों के सहयोग से पृथ्वी को सूर्य के चक्कर लगाने की गणना की तो पाया कि पृथ्वी को सूर्य के चक्कर लगाने में 365 दिन और छह घंटे लगते हैं। इसलिए सीजर ने रोमन कैलेंडर को 365 दिन का बनाया था। सीजर ने हर चार साल बाद फरवरी के महीने को 29 दिन का किया जिससे हर चार साल में बढ़ने वाला एक दिन भी शामिल (एडजस्ट) हो सके, इसलिए 46 ईसा पूर्व रोम के शासक जूलियस सीजर गणनाओं के आधार पर कैलेंडर जारी किया जिसमें 12 महीने थे। इस कैलेंडर का नाम जूलियन कैलेंडर रखा गया था। भारत के अन्य राज्यों में उगाडी-तेलगू न्यू ईयर, गुड़ी पड़वा, बैसाखी-पंजाबी न्यू ईयर, पुथंडु-तमिल न्यू ईयर, बोहाग बिहू-असामी न्यू ईयर, बंगाली नववर्ष, गुजराती नववर्ष, विषु- मलयालम नववर्ष, नवरेह-कश्मीरी नववर्ष, हिजरी- इस्लामिक नववर्ष मनाया जाता है। गुड़ी पड़वा (मराठी-पाड़वा) के दिन हिन्दू नव संवत्सरारम्भ माना जाता है। चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को गुड़ी पड़वा या वर्ष प्रतिपदा या उगादि (युगादि) कहा जाता है। इस दिन हिन्दू नववर्ष का आरम्भ होता है। 'गुड़ी' का अर्थ 'विजय पताका' होता है। कहते हैं शालिवाहन ने मिट्टी के सैनिकों की सेना से प्रभावी शत्रुओं (शक) का पराभाव किया। इस प्रकार विजय के प्रतीक के रूप में शालिवाहन शक का प्रारंभ इसी दिन से होता है। 'युग' और 'आदि' शब्दों की संधि से बना है 'युगादि'। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में 'उगादि' और महाराष्ट्र में यह पर्व 'ग़ुड़ी पड़वा' के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन चैत्र नवरात्रि का प्रारम्भ होता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर को इटली, फ्रांस, स्पेन और पुर्तगाल ने 1582 में अपना लिया था, जबकि जर्मनी के कैथोलिक राज्यों यथा स्विट्जरलैंड और हॉलैंड ने 1583 में, पोलैंड ने 1586 में, हंगरी ने 1587 में, जर्मनी एवं नीदरलैंड के प्रोटेस्टेंट प्रदेश और डेनमार्क ने 1700 में, ब्रिटिश साम्राज्य ने 1752 में, चीन ने 1912 में, रूस ने 1917 में और जापान ने 1972 में इस कैलेंडर को अपनाया था। वर्ष 1752 में भारत पर ब्रिटेन का राज था, इसलिए भारत ने भी इस कैलेंडर को 1752 में ही अपनाया था। ग्रेगोरियन कैलेंडर को अंग्रेजी कैलेंडर के नाम से भी जाना जाता है। हिन्दू नववर्ष चैत्र के महीने के शुक्ल पक्ष की प्रथम तिथि (प्रतिपदा) को सृष्टि का आरंभ हुआ था। हमारा नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को शुरू होता है| इस दिन ग्रह और नक्षत्र में परिवर्तन होता है। हिन्दी महीने की शुरूआत इसी दिन से होती है। चैत्र मास का वैदिक नाम है-मधु मास। मधु मास अर्थात आनंद बांटता वसंत का महीना। मान्यता है कि इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसमें मुख्यतया ब्रह्माजी और उनके द्वारा निर्मित सृष्टि के प्रमुख देवी-देवताओं, यक्ष-राक्षस, गंधर्व, ऋषि-मुनियों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और कीट-पतंगों का ही नहीं, रोगों और उनके उपचारों तक का भी पूजन किया जाता है। इसी दिन से नया संवत्सर शुरू होता है। इसलिए इस तिथि को 'नवसंवत्सर' भी कहते हैं। भगवान विष्णु जी का प्रथम अवतार भी इसी दिन हुआ था। चैत्र नवरात्र की शुरुआत इसी दिन से होती है। कैलेंडर नववर्ष (नये साल) के अवसर पर प्रत्येक वर्ष लगभग सभी जगह पर 31 दिसम्बर की आधी रात को जश्न मनाया जाता है। अब तो लगभग सभी धर्म के लोग आधी रात को केक काट कर नववर्ष के आगमन की खुशियां मनाते हैं, केक काटने से पहले सभी बत्तियों को बुझा कर पूरी तरह अंधेरा कर देते है और फिर, अचानक एकसाथ सभी बिजली की स्विच को ऑन कर रोशनी करते हुए सभी लोग चीखने लगते हैं "Happy New Year", "Happy New Year", "Happy New Year"। उसके बाद कैलेंडर नववर्ष मनाने वाले लोग जहां शराबबंदी नही है वहां शराब की बोतलें खुलती है और न जाने कितने जीवों की हत्या कर बनाया गया भोजन परोसा जाता है, पटाखे या आतिशबाजी करते हैं। इस प्रकार नये साल (01 जनवरी) के आगमन का स्वागत किया जाता है। सनातन धर्म से यदि इसे देखा जाय तो नये साल का स्वागत हम लोग 31 दिसम्बर की आधी रात (12 बजे) को अंधेरा करके मनाते है; भले ही उसके बाद पटाखे या आतिशबाजी करते हैं। लेकिन नये साल का प्रवेश से कुछ पल पहले पूरी तरह अंधकार किया जाता है। शायद यही वजह है कि हमलोग कही न कही, अंधेरे में भटक गए हैं। हमें सही राह नहीं मिल रहा है। जबकि हमलोग प्रकाश को, ज्ञानपुंज कहते है और अंधकार को अज्ञान। लेकिन आज हम लोग अज्ञानता को ही जाने-अनजाने में गले लगा रहे हैं। आज हमलोग आधुनिक युग के नाम पर कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। अब देखा जाय तो उत्सव छोटा हो या बड़ा, हर उत्सव में केक काटने की एक परंपरा बनने लगा है। जबकि सनातन संस्कृति में केक क्या? कुछ भी काटकर खुशी मनाना वर्जित माना गया है। सनातन संस्कृति में प्रत्येक त्योहार, किसी न किसी तार्किक तथ्यों से जोड़ा गया है। अब केक काटने को भी देखा जाय तो, केक काटने वाले केक काटते हैं और एक हिस्सा (अपना) अलग कर लेते हैं। अब वह उस हिस्से को खुद खाते हैं या फिर अपने किसी खास प्रिय को खिलाते हैं। बाकी बचा हुआ हिस्सा जिसे खाना हो खाये, उससे उसको (काटने वाले का) कोई लेना देना नहीं रहता है। यही वजह है कि आज हम लोग एकाकी होते जा रहे हैं और सीमित होते जा रहे हैं। देखा जाय तो अब हर धर्म के लोग, जन्म दिन हो या कोई अन्य उत्सव, केक जरूर काटते हैं और केक कैसे काटते हैं! पहले केक पर मोमबत्ती लगाते है, फिर उसे जलाते हैं, फिर उस मोमबत्ती को खुद फूंक कर बुझा देते हैं और तब केक काटते है। जबकि यह संस्कृति, सनातन संस्कृति के बिल्कुल विपरीत है। क्योंकि सनातन संस्कृति में यदि दीपक जलाया जाए और यदि वह दीपक बुझ जाए, तो इसे अपसगुन माना जाता है और किसी अनजानी अनहोनी होने की ओर इशारा समझा जाता है। लेकिन आज सनातन समाज, अब दीपक जलाने में नहीं, बल्कि उसे बुझाने में अपनी खुशी का पर्याय मानने लगा है। सनातन संस्कृति में ज्योति और प्रकाश का एक खास महत्व होता है। क्योंकि खुशी में सनातन लोग 5 दीपक जलाते हैं और दुख में अंधेरा रखते हैं। सनातन में "संस्कृति" हमें सिखाता है और "संस्कार" हमें उस पर चलना। सनातन संस्कृति में जब भी शुभ कार्य होता है, तो दीपक जलाते हैं और अपने इष्ट देवता को विशेष कर मोतीचुर लड्डू अर्पित करते हैं। क्योंकि मोतीचुर लड्डू भी एकता का प्रतीक है। मोतीचूर लड्डू को परसादी के रूप में, लोगों के बीच बांटते है। यह शुभ और खुशी का प्रतीक है, क्योंकि मोतीचुर को बांध कर लड्डू का स्वरूप दिया जाता है। मोतीचुर लड्डू से यह सन्देश मिलता है कि हर शुभ क्षण को हम एक साथ मिलकर मनायें, इससे आनंद और खुशियाँ बढ़ जाती है। कहने का उद्देश्य यह है कि इसमें एकता और एकजुटता का संदेश छिपा हुआ है। अब यह प्रश्न उठता है कि हम लोग कब सुधरेंगे। सुधरने के लिए आवश्यक है कि हम लोगों को संकल्प लेना होगा। भारतीय संस्कृति के अनुरूप शाकाहार अपनाते हुए गुरुकुल शिक्षा पद्धति को पुनः अंगीकृत करना होगा। आर्यन जीवन पद्धति को शाश्वत सत्य मानकर स्मार्ट सिटी की जगह स्मार्ट विलेज को विकसित करना होगा। देखा जाय तो स्मार्ट सिटी के फ्लैटों में गाय और बुजुर्गों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया जा रहा है। जबकि भारतीय संस्कृति में गौ सेवा और बुजुर्गो के आशीर्वाद के अभाव में मोक्ष प्राप्ति असंभव है। इसलिए इस पर भी विचार किया जाना आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं और ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को साझा किया

सुगौली। नेशनल एंटी करप्शन एंड क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के राष्ट्रीय सचिव सुजीत रमन के नेतृत्व में शुक्रवार को जन समस्या समाधान यात्रा फुलवरिया पंचायत के महादलित बस्ती वार्ड संख्या 9 पहुंची। सैकड़ों महिलाओं और ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को साझा करते हुए सरकारी योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही का मुद्दा उठाया।महिलाओं ने वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, शौचालय निर्माण, और प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित रहने जैसी समस्याओं पर रोष प्रकट किया। ग्रामीणों ने बताया कि सरकारी योजनाओं का लाभ रिश्वत दिए बिना नहीं मिलता। जो लोग रिश्वत देने में असमर्थ हैं, उन्हें योजनाओं से बाहर कर दिया जाता है। सुजीत रमन ने ग्रामीणों को विश्वास दिलाते हुए कहा, आपकी समस्याओं को जल्द ही प्रखंड और जिला स्तर पर अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। हम हर स्तर पर आपके हक के लिए लड़ाई लड़ेंगे। जरूरत पड़ी तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। कार्यक्रम में गांव की महिलाएं रजिया देवी, झुनझुन माझी, रामभरोस माझी सहित संगठन के प्रतिनिधि अनमोल सिंह, शिवम सिंह, राजू रजक, ऋतिक तिवारीउपस्थित रहे।

मौका मिला तो निश्चित खुलेगा चिरैया में डिग्री कॉलेज : ई0 संजय कुमार

आजादी के 70 दशक बाद भी चिरैया विकास में पीछे

चिरैया | जन सुराज के नेता व चिरैया विधान सभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी संजय कुमार सिंह ने दिल्ली पब्लिक स्कूल मीरपुर के सभा कक्ष में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही कि आजादी के सतर दशक बाद भी चिरैया विकास में पीछे है। अब तक के जन प्रतिनिधियों ने केवल लूटने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यदि सेवा करने का मौका मिला तो चिरैया में डिग्री कॉलेज की स्थापना कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के कारण पिछले बीस सालों से चिरैया पुरनहिया रोड जर्जर अवस्था में है। इस रोड का अस्तित्व मिट गया है। जिसे भी मौका मिला, - उसने केवल लूटने का काम किया - है। प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री - द्वारा उक्त रोड को बनाने की घोषणा की बाद आशा की किरण जगी है। अब देखना है कि उक्त रोड का निर्माण कार्य कब शुरू होता है।

छगराहा टीम ने मोतिहारी को हराया

सुगौली। संवाद सहयोगी जागरण सुगौली प्रखंड के आदर्श उच्च विद्यालय फुलवरिया के मैदान में आयोजित सीआरपीएफ स्व विकास झा मेमोरियल टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट में एमएस मोतिहारी बनाम छगराहा क्रिकेट टीम के बीच मैच हुआ।जिसमें छगराहा की टीम विजयी रही।समाजसेवी सुजीत रमण व संजीव सिंह ने संयुक्त रूप से परिचय पात्र किया। छगराहा की टीम टॉस जीतकर गेंदबाजी की।पहले बल्लेबाजी करते हुए मोतिहारी की टीम ने 91 रन बनाए।जबाब में उतरी छगराहा की टीम ने तीन विकेट खोकर विजयी रन बनाई।मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार गौरव कुमार को सुजीत रमण व संजीव सिंह ने दिया गया। मैच में एम्पायर मनीष मिश्र व बिक्कू श्रीवास्तव,कमेंटेटर विश्वजीत झा,स्कोरर हर्षित झा थे।टूर्नामेंट को सफल बनाने में अध्यक्ष विजेंद्र मिश्रा,संयोजक मनप्रीत ठाकुर,संरक्षक संदीप मिश्रा,महाप्रबंधक संजीत कुशवाहा,उपाध्यक्ष साजन मिश्रा सचिव पुंजप्रकाश झा,कोषाध्यक्ष शशिरंजन झा,टीम मैनेजर बिक्कू श्रीवास्तव, विशाल सिंह , विवेक कुमार, अजीत कुमार, अमित कुमार, विवेक कुमार ,दीपक कुमार लगे हुए थे।

भारतीय युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा के प्रमुख संरक्षक बने प्रिंस सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। सामाजिक संगठन भारतीय युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष अमित नयन एवं सचिव रोहित रमन सिंह के द्वारा भारतीय युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा के प्रमुख संरक्षक पूर्व छात्र नेता प्रिंस कुमार सिंह को मोमेंटो एवं शॉल से सम्मानित कर संगठन का प्रमुख संरक्षक बनाया गया। मौके पर प्रिंस कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा एक सामाजिक संगठन है ,जो सामाजिक बदलाव के दिशा में क्रांतिकारी मुहिम छेड़ रहा है। मैं संगठन के अध्यक्ष अमित नयन सचिव रोहित रमन सिंह समेत तमाम भारतीय युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ताओ को इस

» जयप्रकाश विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र नेता है प्रिंस सिंह

सम्मान के लिए दिल से अभिनंदन करता हूं। संगठन का दायित्व बहुत बड़ा होता है जिसका निर्वहन में पूरी ईमानदारी के साथ करूंगा ताकि समाज में व्यापक बदलाव लाया जा सके। प्रमुख संरक्षक को बधाई देते हुए अध्यक्ष एवं सचिव ने प्रफुल्लित मुद्रा में संदेश दिया कि भारतीय युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा शिक्षा स्वास्थ्य एवं रोजगार के दिशा में निरंतर संघर्ष करता रहेगा। प्रिंस सिंह को सम्मानित होने पर बधाई देने वालों में पूर्व छात्र

नेता विकास कुमार तिवारी, सुशील कुमार डब्लू, मजहर रिजवी, सोनू यादव अमर बाबा, विकास कुमार गुप्ता, सुमित कुमार सिंह, उपाध्यक्ष दिलीप वर्मा, संजना मिश्रा कोषाध्यक्ष ऐश्वर्या सोनी आदि शामिल है ।

अतिक्रमणकारी दुकानदारों को जिला प्रशासन ने थमाया नोटिस

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। सारण पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कुमार आशीष के निर्देशन में यातायात थाना द्वारा पंकज सिनेमा रोड, हथुआ मार्केट, साहेबगंज में वैसे दुकानदार जो अपने दुकान के सामने सड़क पर अतिक्रमण कर के दुकान,अस्थायी स्टॉल लगाते हैं उनको नोटिस थमाया गया। जिसके बाद उन्हें सख्त हिदायत दी गई कि इसके बाद अगर उनके द्वारा फुटपाथ और सड़क पर स्टॉल या सामान लगाया जाता है तो उनके ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि शहर के पंकज सिनेमा रोड, हथुआ मार्केट, साहेबगंज सहित अनेक बाजारों में दुकानदारों के द्वारा सड़क पर स्टॉल और सामान लगाकर सड़क को अतिक्रमण कर दिया जाता है। जिसके कारण वाहन चालकों की बात कौन कहे पैदल चलने वालों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं आम लोगो को आने जाने एवं यातायात को सुचारू रूप से चलाने में बाधा उत्पन्न होती है। जिसको देखते हुए यातायात पुलिस के द्वारा उन दुकानदारों के विरूद्ध पुलिस एक्ट की धारा-34 व भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-152 के तहत नोटिस दिया गया एवं सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस मामले में एसपी ने बताया कि ऐसे दुकानदार यदि पुनः इस गलती को दुहराते हैं तो उनके विरूद्ध सारण अनुमंडल दंडाधिकारी के माध्यम से विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

लग्जरी कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद,चालक फरार

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। रिविलगंज थानान्तर्गत सेमारिया पयहारी बाबा मठ के सामने सघन वाहन चेकिंग देखकर एक व्यक्ति लग्जरी कार से कूद कर भाग निकला। इसके बाद पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया गया। इस बात की जानकारी देते हुए सारण एसपी डॉक्टर कुमार आशीष ने बताया कि उनके निर्देशन में पुलिस द्वारा जिले में अवैध शराब का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रिविलगंज थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक तस्कर चार पहिया वाहन से विदेशी शराब ले कर आ रहा हैं। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सेमारिया पयहारी बाबा मठ के सामने सघन वाहन चेकिंग प्रारंभ किया गया। वाहन चेकिंग के क्रम में 470.520 ली0 विदेशी शराब एवं एक चार पहिया वाहन जब्त किया गया। हालांकि उस दौरान तस्कर भाग निकलने में सफल रहा। इस संदर्भ में रिविलगंज थाना कांड सं0-389/24 दर्ज किया गया है। इस कांड में संलिप्त शराब तस्करों / कारोबारियों की गिरफ्तारी हेतु अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। छापामारी टीम में रिविलगंज थानाध्यक्ष पु०अ०नि० सुभाष कुमार, पु०अ०नि० राहुल कुमार श्रीवास्तव, सि0/458 रविरंजन कुमार, सि0/504 सुशील पासवान एवं रिविलगंज थाना के अन्य कर्मी शामिल थे।

विधानपार्षद ब्रजवासी से मिले शिक्षक नेता समरेंद्र सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। तिरहुत स्नातक क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विजयी शिक्षक नेता वंशीधर ब्रजवासी ने शुक्रवार को शिक्षको ने मुलाकात किया।सारण के शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह के नेतृत्व शिक्षको ने ब्रजवासी से मुलाकात की। शिक्षक नेता समरेंद्र सिंह ने कहा कि ब्रजवासी की जीत बिहार के शिक्षको की जीत है , इस जीत ने पूरे देश मे यह संदेश भेजा है कि राष्ट्रनिर्माता शिक्षकों की आवाज को कभी दबाया नही जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाई ब्रजवासी के सदन पहुंचने से शिक्षको,युवाओं के साथ साथ हर वर्ग को एक आवाज मिली है। अब तक

» शिक्षकों की आवाज सदन में बुलंद करेगे ब्रजवासी : समरेंद्र

जनता पार्टी का नेता चुनती थी पर पहली बार किसी प्रारंभिक विद्यालय के शिक्षक के सदन पहुंचने से लोगों को ब्रजवासी जी के छोटे से कार्यकाल से ही बहुत ज्यादा उम्मीदें है और हम सभी शिक्षको को यह उम्मीद है कि वे हमारी माँगो को मजबूती के साथ सदन में रखेंगे । इस मौके पर शिक्षक नेता संजय यादव,निजाम अहमद,इंद्रजीत महतो,एहसान अंसारी,महेश कुमार प्रभात, आतिश कुमार,

नागेंद्र प्रसाद, पीयूष तिवारी,राजीव रंजन कुमार तिवारी ,संदीप प्रसाद गुप्ता, दीनानाथ प्रसाद, नीलमणि साहिब, रणजीत सिंह,पंकज प्रकाश,शौकत अली,अनिल दास, सुमन कुशवाहा,फिरोज इकबाल,स्वामीनाथन राय सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

संत जलेश्वर एकेडमी बड़ा लौवा में शुरू हुआ प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण शिविर

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी(समग्र शिक्षा)सारण के निर्देश पर प्रथम एवं द्वितीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन संत जलेश्वर एकेडमी बड़ा लौवा में किया गया है। जिसमें जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सारण के द्वारा शिविर प्रधान के रूप में जिला संगठन आयुक्त(स्काउट) अमन राज एवं गाइड में जिला संगठन आयुक्त(गाइड) सुश्री रीतिका सिंह को नियुक्त किया गया है। शिविर में भाग लेने वाले स्काउट गाइड को प्राथमिक चिकित्सा,गांठ विद्या,ध्वज शिष्टाचार,ड्रिल,सफाई, व्यायाम,सीटी संकेत,खेल व ताली आदि का प्रशिक्षण दिया जायेगा। उद्घाटन समारोह में विद्यालय की प्राचार्या अनुपमा मिश्रा ने कहा कि आज के परिवेश में बच्चों में स्काउटिंग गाइडिंग की शिक्षा बहुत

» स्काउट गाइड से बच्चो में होता है शारीरिक,मानसिक और नैतिक विकास : अनुपमा मिश्रा

ही जरूरी है,स्काउटिंग शिक्षा बच्चों को स्वालंबन व अनुशासन के साथ साथ देश प्रेम की भावना का विकास करता हैं। वहीं शिविर प्रधान जिला संगठन आयुक्त(स्काउट) अमन राज ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड से बच्चों में शारीरिक,मानसिक और नैतिक विकास होता है। शिविर सहायक के रुप में बेसिक स्काउट मास्टर जिला प्रशिक्षक प्रणव,चंदन और आशुतोष प्रशिक्षण दे रहें है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक हरेराम झा, अमरजीत कुमार, शैलेन्द्र कुमार, अंकित कुमार,तारा सिंह, प्रीति कुमारी,ममता कुमारी आदि उपस्थित थे।

बांध निर्माण के विरोध में सैकड़ों ग्रामीणों ने आक्रोश जताया

नई सोच एक्सप्रेस

सुगौली। नगर पंचायत के वार्ड संख्या 11 निमुई में सिकरहना नदी के दक्षिण तरफ बांध निर्माण के विरोध में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर जमकर विरोध किया। जहां ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए काम शुरू करने गयें कर्मियों को जेसीबी मशीन सहीत काम बंद कर वापस होना पड़ा। वहीं सुचना पर पहुँचे भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष व उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि विकाश शर्मा ने बताया की सिकरहना नदी के दक्षिणी तरफ बड़ा बांध बन जाता है तो उत्तर तरफ छोटा रिंग बांध पानी का दबाव नही झेल पायेगा और बांध बन जाने के बाद बांध के दक्षिणी इलाके का बरसात का पानी जो सोती, नासी व पोईन के माध्यम से वापस नदी मे गिरता है उस पानी का क्या होगा यह क्षेत्र मन व टापू का रुप ले लेगा जमीन बंजर व बलुवट हो जायेगी जिसमें किसी भी प्रकार का फसल नहीं हो पाएगी इस क्षेत्र के 80 प्रतिशत लोग खेती पर निर्भर है सभी किसानों के खाने के लाले पढ जायेंगे, साथ ही बांध बन जाने के बाद जो गांव व टोले मोहल्ले बांध के अंदर पड रहे हैं जो पुर्व से नदी के किनारे बसे हुए हैं गांव के गांव

विस्थापित हो जाएंगें। श्री शर्मा ने बताया की जो बांध आज से 44 वर्ष पूर्व जनहित के गंभीर समस्याओं के कारण तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री, संबंधित विभाग के माननीय मंत्री, उस समय के माननीय विधायक व सुगौली के प्रबुद्ध नागरिकों के आग्रह पर रुक गया था, फिर उन गंभीर समस्याओं का निष्पादन किये बिना पुनः कार्य प्रारंभ करना लोकहित में नहीं है मौके पर पुर्व प्रमुख पार्षद प्रतिनिधि म. बच्चु, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मजनैन मियां, शेख अमजद, चंद्रकिशोर यादव, शेख शमीम, शेख इकबाल, शेख मुजाहिर, राजेंद्र यादव, रविंदर यादव, शेख मुर्तुजा, शेख साहेब, राजदेव यादव, प्रदीप भगत, वीरेंद्र यादव, बबलू पटेल, बागड़ यादव, गुलशन पटेल सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

लेट्स इंस्पायर बिहार
राहुल कुमार सिंह
मुख्य कोऑर्डिनेटर, लेट्स इंस्पायर, बिहार

कौशल संरेखण की कमी बिहार में बेरोज़गारी का मुख्य कारक

आईपीएस विकास वैभव का कहना है कि बिहार राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच, विशेष रूप से सीमांत समूहों के लिये, अंतर-पीढ़ीगत गरीबी के कुचक्र को तोड़ सकती है। कौशल संरेखण से तात्पर्य किसी व्यक्ति के कौशल और प्रेरणाओं को किसी विशिष्ट भूमिका या कार्य की आवश्यकताओं और उद्देश्यों के साथ मिलाने की प्रक्रिया से है। इस कार्य को लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के माध्यम से आईपीएस विकास वैभव ईमानदारी पूर्वक निर्वहन कर रहे है। कौशल संरेखण के माध्यम से अपना बिहार सशक्त बनेगा।

नई सोच एक्सप्रेस

[भारत के राज्यों में आर्थिक विकास में भी असमानता है, जिससे पिछड़े क्षेत्रों में गरीबी बढ़ रही है। केरल जैसे राज्यों में गरीबी दर काफी कम है (5% से नीचे), जबकि बिहार जैसे राज्य अभी भी संघर्ष कर रहे हैं, जहाँ 25% से अधिक आबादी गरीबी में रह रही है। बिहार को इस भंवर से निकालने के लिए कौशल आधारित परियोजनाओं के साथ मनरेगा को सुदृढ़ करना तथा इसे ग्रामीण उद्यमिता योजनाओं के साथ एकीकृत करना स्थायी आय सृजित कर सकता है।] बिहार में असमानता, बेरोज़गारी और बुनियादी सेवाओं तक पहुँच की कमी जैसी लगातार चुनौतियाँ बनी हुई हैं। गरीबी के मूल कारणों को दूर करने के लिये बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करना, समावेशी विकास को बढ़ावा देना और स्किल्ड शिक्षा के साथ मानव पूंजी में निवेश करना शामिल है। भारत के 46% कार्यबल को कृषि क्षेत्र में रोज़गार प्राप्त है, लेकिन सकल घरेलू उत्पाद में इसका योगदान केवल 18% है, जो कम उत्पादकता और प्रछन्न बेरोज़गारी को दर्शाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में 70 प्रतिशत परिवार अभी भी अपनी आजीविका के लिये मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर हैं, जिनमें से 82 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, महामारी से पहले भारत की अधिगम की दर 56.1% थी। वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट- 2022 के अनुसार, ग्रामीण भारत के स्कूलों में कक्षा 3 के 80% छात्र कक्षा 2 की किताब नहीं पढ़ सकते थे। उद्योग की मांग के साथ कौशल संरेखण की कमी बेरोज़गारी को बढ़ाती है और आर्थिक गतिशीलता को कम करती है, जिससे पीढ़ी-दर-पीढ़ी तक गरीबी का चक्र चलता रहता है। बिहार की लगभग 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। जो मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है। इतनी बड़ी आबादी को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने का कार्य लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान कर रहा है। साथ ही, ग्रामीण परिवारों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने के लिये NABARD की पहल को सुदृढ़ करने से अनौपचारिक साहूकारों पर निर्भरता कम हो सकती है। वित्तीय डिजिटलीकरण पर RBI के हालिया फोकस में समान विकास सुनिश्चित करने के लिये ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक और सामाजिक पहलों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने से गरीबी उन्मूलन पर कई गुणा अधिक प्रभाव पड़ सकता है। प्रोत्साहनों के माध्यम से सौर ऊर्जा और कृषि वानिकी को प्रोत्साहित करने से पर्यावरण को संरक्षित करते हुए ग्रामीण आय में विविधता लाई जा सकती है। बिहार में गरीबों के लिये नवीकरणीय ऊर्जा तक पहुँच को बढ़ावा देना, सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा तक पहुँच से गरीबों के जीवन की गुणवत्ता एवं उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

देसरी में रेलवे फाटक पर फ्लाई ओवर ब्रिज बनने की जगी उम्मीद, देसरी प्रखंड परिवर्तन मोर्चा का मेहनत ला रहा रंग

नई सोच एक्सप्रेस

देसरी। देसरी में रेलवे फाटक पर फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण के लिये फेसबलिटी सर्वे और डीपीआर के लिए कंसल्टेंसी वर्क स्वीकृत कर लिया गया है, ये जानकारी आरटीआई के एक जवाब में रेलवे ने देसरी प्रखंड परिवर्तन संघर्ष मोर्चा के सचिव रंजीत पंडित को दिया है। पत्र में रेलवे द्वारा यह भी कहा गया है कि ज्वाइंट फेसिबलिटी रिपोर्ट राज्य सरकार को दिया गया है। राज्य सरकार का रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फ्लाई ओवर के लिए रेलवे द्वारा राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजने की जानकारी मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए मोर्चा के सचिव ने कहा कि अब मुख्यमंत्री के नाम फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा, जिसे मुख्यमंत्री को सौंपा जाएगा। विदित हो कि देसरी प्रखंड परिवर्तन मोर्चा ने इस सवाल को लेकर 25 अक्टूबर को देसरी प्रखंड कार्यालय पर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के पूर्व रेल मंत्री, महाप्रबंधक रेलवे

» फ्लाई ओवर के लिए चलेगा हस्ताक्षर अभियान

जोन हाजीपुर, मंडल रेल प्रबंधक, सोनपुर, माननीय सांसद चिराग़ पासवान को पत्र देकर फ्लाई ओवर ब्रिज बनवाने का मांग किया था। रेलवे के इस कार्रवाई से लोगों को जाम की समस्या से मुक्त होने की उम्मीद जग गई है। इस मुद्दे को लेकर मोर्चा के अध्यक्ष कमलदेव सिंह, सचिव रंजीत पंडित ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि रेलवे फ्लाई ओवर ब्रिज बनने तक संघर्ष जारी रहेगा। अब राज्य सरकार के संबंधित प्राधिकार को पत्र लिखा जाएगा और उचित कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को पुनः जारी रखा जाएगा। इस मौके पर राजबल्लभ सिंह, विजय कुमार यादव, संजीव यादव, मो. रुस्तम, रत्नेश कुमार सिंह, प्रदीप कुमार, सुबोध पासवान, राकेश सिंह, सिक्किम कुमार, संजय कुमार राय, विनय कुमार, प्रमोद राय, सोहन कुमार भी मौजूद रहे।

हैदराबाद-रक्सौल स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में वृद्धि

नई सोच एक्सप्रेस

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर वर्तमान में हैदराबाद/सिकंदराबाद एवं रक्सौल के मध्य संचालित की जा रही 07051/07052 रक्सौल-हैदराबाद/सिकंदराबाद -रक्सौल स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में वृद्धि करते हुए अब इसका परिचालन 01.04.2025 तक किया जाएगा । गाड़ी संख्या 07051 हैदराबाद-रक्सौल साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का परिचालन दिनांक 28.12.2024 के बदले विस्तारित अवधि के साथ 29.03.2025 तक किया जाएगा । इसी तरह गाड़ी संख्या 07052 रक्सौल-सिकंदराबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में वृद्धि करते हुए अब इसका परिचालन 31.12.2024 के बदले 01.04.2025 तक किया जाएगा ।

संक्षिप्त समाचार

खेल छात्रों को जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करने का एक शक्तिशाली माध्यम है : सुमित प्रकाश

भागलपुर। प्रारंभिका वर्ल्ड स्कूल के निदेशक सुमित प्रकाश ने कहा कि खेल सिर्फ एक पाठ्योत्तर गतिविधि नहीं है, वे ज्ञान प्रदान करने, मूल्यों को स्थापित करने और छात्रों को जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। हमारा मानना है कि खेल नेतृत्व, अनुशासन और अनुकूलन की क्षमता सिखाकर शिक्षा को बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहां छात्र अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने के साथ - साथ खेल के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ा सकें। यह परिवर्तन भविष्य के ऐसे व्यक्तित्व तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता है जो न केवल विश्व स्तर पर सक्षम हैं बल्कि सहानुभूतिशील भी हैं। विदित हो कि 1980 से समग्र शिक्षा में अग्रणी प्रारंभिका स्कूल ने खेल, वैश्विक शिक्षा और नवीनीकरण पर केंद्रित एक साहसिक नई दृष्टि को अपनाते हुए प्रारंभिका वर्ल्ड स्कूल (पीडब्ल्यूएस) में परिवर्तित होने की घोषणा की। यह विकास सीखने, नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास के प्रमुख प्रवर्तक के रूप में खेल का लाभ उठाते हुए छात्रों को एक परस्पर जुड़ी दुनिया के लिए तैयार करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पेशेवर खेल प्रशिक्षण और दिल्ली कैपिटल्स (आईपीएल टीम) अकादमियों और सुब्रत पॉल जैसे प्रसिद्ध भागीदारों के साथ सहयोग के माध्यम से, पीडब्ल्यूएस प्रतिभाशाली छात्रों को अकादमिक और एथलेटिक दोनों में सशक्त बनाने के लिए तैयार है। यह रणनीतिक रीब्रांडिंग छात्रों को उनकी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए सशक्त बनाने की प्रारंभिक वर्ल्ड स्कूल की अटूट प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, चाहे वह कक्षा में हो, मैदान पर हो या जीवन में हो। खेल को शिक्षा, प्रौद्योगिकी और भावनात्मक विकास के साथ एकीकृत करके, पीडब्लूएस एक गतिशील वैश्विक परिदृश्य में तैयार नवप्रवर्तकों और नेताओं की एक नई पीढ़ी को आकार दे रहा है।

प्रदेश उपाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार पहुंचे RTN मनोज कुमार वैशाली जिला कार्यालय, जहां कार्यकर्ताओ ने किया स्वागत

वैशाली 1 आम आदमी पार्टी के माननीय प्रदेश उपाध्यक्ष श्री RTN मनोज कुमार जी प्रदेश उपाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार पार्टी के जिला कार्यालय हाजीपुर पहुंचे और जिला कार्यालय मे जिला प्रभारी, विधानसभा प्रभारी एवं सक्रिय कार्यकर्ताओ के साथ बैठक कर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी मे लग जाने को कहे 1 उन्होंने कहा की BJP आम आदमी पार्टी एवं विरोधी पार्टी के के बड़े बड़े नेता को पकड़ पकड़ कर जेल भेजने कुकर्म किया है, हिन्दू मुस्लमान को लड़ाने का काम किया है, संविधान निर्माता बाबा साहब भीम राव अंवेदकर जी को अपमान करने का काम किया है कार्यक्रम मे वैशाली जिला प्रभारी श्री मनोज कुमार साह, हाजीपुर विधानसभा प्रभारी श्री प्रवीण कुमार, लालगंज विधानसभा प्रभारी श्री राजेंद्र प्रसाद सिंह, महुआ विधानसभा प्रभारी श्री जयप्रकाश सिंह, पातेपुर विधानसभा प्रभारी डॉक्टर सुमंत कुमार के साथ साथ महुआ से उमाशंकर राय, गंगा प्रसाद, दिनेश सिंह, राकेश कुमार, पासवान ,पतेपुर से उमेश पासवान, हाजीपुर से उमेश कुमार रंजन, बिद्दूपुर से अशोक सिंह, लालगंज से हनुमान सिंह आदि लोग भाग लिए 1 प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज कुमार बैठक के दौरान जिले के सभी कार्यकर्ताओं को २८एवं २९ दिसंबर को प्रदेश कार्यालय पटना पहुंचने का न्यौता भी दिया।

पूर्व सांसद स्व महेंद्र प्रसाद का जीवन से नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए - जिलाधिकारी

जहानाबाद। जिले के मोदनगंज प्रखंड अंतर्गत ओकरी बी.बी.एम.कालेज के संरक्षक उद्योगपति एवं राज्यसभा के दिवंगत सांसद डॉ महेंद्र प्रसाद उर्फ किंग महेंद्र की पुण्यतिथि पर जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह द्वारा श्रद्धांजली अर्पित की गई। इस अवसर पर कालेज परिसर में स्थापित माता मूलूक रानी देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय द्वारा उपस्थित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विपरीत हालातो में भी शून्य से शिखर तक कोई व्यक्ति कैसे सफर करते हुए अपने मुकाम को पूर्व सांसद महेंद्र प्रसाद ने हासिल कर के दिखाया है। इसका एक बड़ा प्रेरक उदाहरण हैं महेंद्र प्रसाद। जिलाधिकारी द्वारा नई पीढ़ी को महेंद्र प्रसाद के जीवन के सफर से प्रेरणा लेने की सलाह देते हुए कहा कि जीत, संकल्प व कठिन मेहनत के साथ लक्ष्य साधने से कुछ भी असंभव नहीं होता है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि महान लोगों का जीवन हमारे समाज के लिए अद्भुत प्रेरणादयाक है। इस पुण्यतिथि के अवसर पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं अरिस्टो के प्रबंधक निदेशक उमेश कुमार उर्फ भोला बाबू द्वारा दो मुफ्त एम्बुलेंस सेवा को हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया गया। एम्बुलेंस सेवा को ग्राम स्वराज्य समिति घोषी को संचालित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इस आयोजन पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं अरिस्टो के एम.डी भोला बाबू द्वारा अरिस्टो के सी.एस.आर फंड से 1500 गरीबों को कंबल प्रदान कर आयोजन की गरिमा को बढ़ाया गया। उक्त मौके पर उपस्थित अन्य वक्ताओं द्वारा बताया गया कि महेन्द्र बाबू ने देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने में सहभागिता निभायी है। उक्त कार्यक्रम में अपर समाहर्ता बृजेश कुमार ,उप विकास आयुक्त धनंजय कुमार सहित अन्य अतिथियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

क्रिकेट एकेडमी ऑफ पटना बैद्यनाथ प्रसाद मेमोरियल क्रिकेट के फाइनल में

पटना। बैद्यनाथ प्रसाद मेमोरियल अंडर-13 क्रिकेट टूनामेंट के फाइनल में बसावन पार्क क्रिकेट एकेडमी का मुकाबला क्रिकेट एकेडमी ऑफ पटना से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में क्रिकेट एकेडमी ऑफ पटना ने एसपीएस सीसी को 77 रन से हराया। क्रिकेट एकेडमी ऑफ बिहार के ग्राउंड पर चल रहे इस टूनामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में क्रिकेट एकेडमी ऑफ पटना ने टॉस जीत कर पहले बैटिंग करते हुए अविनाश के 56 रन की मदद से 22 ओवर में नौ विकेट पर 181 रन बनाये। जवाब में एसपीएस सीसीसी की टीम 18.3 ओवर में 104 रन पर ऑल आउट हो गई। विजेता टीम के अविनाश कुमार को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। स्व. बैद्यनाथ प्रसाद के पुत्र सह आयोजन अध्यक्ष शिशिर कुमार (पटना मेयर प्रतिनिधि) ने बताया कि फाइनल मुकाबला मोइनुल हक स्टेडियम के टर्फ विकेट पर खेला जायेगा। समापन समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहेंगे।

अजमेर शरीफ की दरगाह पर चढ़ेगी औरंगाबादमें बनी तिरंगे वाली चादर

नई सोच एक्सप्रेस

» जत्थे में हिंदू और मुस्लिम सभी शामिल होते हैं। अकीदतमंदों का जत्था 5 जनवरी को अजमेर शरीफ के लिए रवाना होगा

अजमेर। अजमेर स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर उनके उर्स के मौके पर औरंगाबादमें बनी तिरंगे वाली चादर चढ़ाई जाएगी। शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के बाद शहर के पठान टोली मस्जिद हजरत मखदूम शाह बाबा के आस्ताने पर तिरंगे वाली चादर की जियारत कराई गई। कहते हैं की ख्वाजा के दरबार जो आता है कभी खाली हाथ नही जाता है। अजमेर शरीफ के दरगाह में जाने पर एक रूहानी सुकून मिलता है। इस दरगाह में क्या बड़ा छोटा-बड़ा ,आमिर-गरीब सभी अपनी मुरादों को पूरी करने के लिए बड़ी उम्मीदों से यहाँ पर आते है। अजमेर शरीफ दरगाह का भारत में बड़ा महत्व है। खास बात यह भी है कि ख्वाजा पर हर धर्म के लोगों का विश्वास है। इस अजीम चादर की जियारत करने को यहां काफी अकीदतमंद जुटे और दुआख्वानी की। बता दें कि ख्वाजा गरीब नवाज का उर्स 8 जनवरी 2025 को है 5 जनवरी को अकीदतमंदों का जत्था इस चादर को लेकर 5 जनवरी कीशाम रवाना होंगे। पैगाम ए इंसानियत के अध्यक्ष मो शहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान पठान टोली मस्जिद इमाम गुलाम रसूल कादरी जामा मस्जिद के सचिव नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष रईस आजम खान मस्जिद सचिव सैयद सोनू राहुल कुमार अभिषेक कुमार सिंह प्रकाश कुमार सिंह सदर टिक्का खान एहतेशाम खान शहनवाज आलम गोहर अली खान ने बताया कि 24 साल से यहां से अकीदतमंद चादर चढ़ाने अजमेर शरीफ जाते हैं।

92 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की निधन पर दी श्रद्धांजलि

नई सोच एक्सप्रेस

» शिवाजी पब्लिक स्कूल पताही के प्रिंसिपल गौतम राज ने दी श्रद्धांजलि

पताही। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का गुरुवार रात तकरीबन 10:00 बजे दिल्ली एम्स में उनका निधन हो गया है । वे 92 वर्ष के थे। उनके निधन परशिवाजी पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर सोनी गुप्ता व प्रिंसिपल गौतम राज ने श्रद्धांजलि दी है। वहीं स्कूल की मौजूद छात्र_ छात्राओं व शिक्षक_शिक्षिका ने मॉन भी रखा। मनमोहन सिंह सधारण परिवार से उठकर एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने ।उन्होंने वित्त मंत्री सहित विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक आर्थिक नीति पर एक मजबूत छाप छोड़ी है ।प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए थे। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह वर्ष 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे । इससे पहले वे भारत के वित्त मंत्री और वित्त सचिव भी रह चुके हैं। तथा 2019 से 2024 तक छठी बार राज्यसभा के सदस्य रहे हैं।

क्लेम के लिए पेश की फर्जी पॉलिसी 27 लोगों के खिलाफ कंपनी ने दर्ज कराई केस

नई सोच एक्सप्रेस

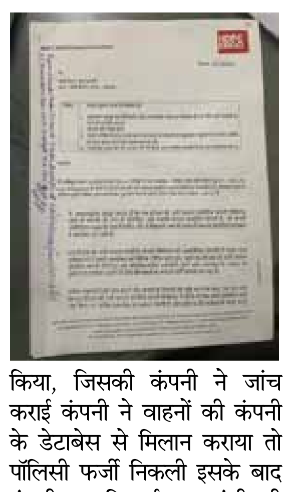

पटना। एच डी एफ सी जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने 27 लोगों पर फर्जी पॉलिसी पेश करने का आरोप लगाते हुए गांधी मैदान थाने में केस दर्ज करा दिया है. मामला दूसरी मंजिल उमा कॉम्प्लेक्स, दूरदर्शन केंद्र के सामने फ्रेजर रोड पटना स्थित कार्यालय के उप उपाध्यक्ष जोखिम और हानि शमान के पद पर पदस्थापित वासीमूल हसन ने दर्ज कराया है. उन्होंने पुलिस को बताया कि 27 लोगों ने जो क्लेम के लिए अपनी पॉलिसी पुलिस को दी या फिर कोर्ट में प्रस्तुत किया है उसे कंपनी ने जारी ही नहीं किया है उक्त पॉलिसी जाली है बताया जाता है कि कई लोगों ने दुर्घटना या अन्य स्थितियों को लेकर कंपनी से क्लेम के लिए बीमा पॉलिसी को प्रस्तुत किया, जिसकी कंपनी ने जांच कराई कंपनी ने वाहनों की कंपनी के डेटाबेस से मिलान कराया तो पॉलिसी फर्जी निकली इसके बाद कंपनी इस निष्कर्ष पर पहुंची की ऐसी कोई पॉलिसी जारी नहीं की गई है जो दुर्घटना की तारीख को कवर करती हो इसके बाद उन लोगों पर कंपनी के द्वारा केस दर्ज कराई गई।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिजनेस ने आईएफएसईसी इंडिया 2024 में प्रदर्शित किए सिक्योरिटी संबंधी इनोवेटिव प्रॉडक्ट्स

नई सोच एक्सप्रेस

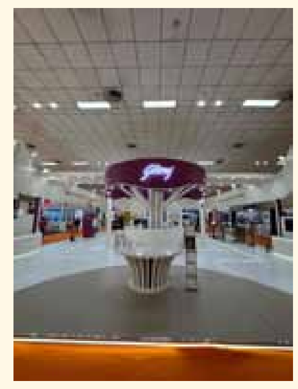

पटना। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप की इकाई गोदरेज एंड बॉयस के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिजनेस ने दक्षिण एशिया के सबसे बड़े सुरक्षा एक्सपो आईएफएसईसी इंडिया 2024 में अपनी नवीनतम पेशकशों को प्रस्तुत किया। इस तरह कंपनी ने सिक्योरिटी संबंधी इनोवेशन की दुनिया में एक बार फिर बेंचमार्क कायम किया है। कंपनी ने अत्याधुनिक घरेलू और संस्थागत सुरक्षा समाधानों का एक मजबूत पोर्टफोलियो प्रदर्शित किया, जो उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षा बढ़ाने और सुरक्षा अनुभव को फिर से परिभाषित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गोदरेज एंड बॉयस में सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हैड श्री पुष्कर गोखले ने कहा, बेहतर और उन्नत सुरक्षा समाधानों की बढ़ती मांग के साथ, 'आईएफएसईसी इंडिया' हमारे लिए अपनी विशेषज्ञता प्रदर्शित करने, अपने नवीनतम इनोवेशंस को प्रदर्शित करने और उद्योग के अग्रणी लोगों, भागीदारों और ग्राहकों से जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म है। गोदरेज में, हम आधुनिक उपभोक्ताओं की उभरती सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने वाले ऐसे प्रॉडक्ट बनाने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं, जिनके जरिये ग्राहकों को मन की शांति और आत्मविश्वास हासिल हो सके। ऐसे सभी प्रॉडक्ट्स के निर्माण के दौरान हम अपने ग्राहकों की जरूरतों को केंद्र में रखते हैं। उपयोगकर्ता-केंद्रित उत्पादों के माध्यम से ग्राहकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक सदी से अधिक के भरोसे के साथ, सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने भारत और दुनिया भर के 50 से अधिक देशों में एक मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। निगरानी उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और इस साल के अंत तक 4.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने के लिए तैयार है और हम गोदरेज में इस बढ़ते सर्विलांस मार्केट में अपनी भागीदारी बढ़ाना चाहते हैं। हमारी अभिनव पेशकश घर, कार्यालय और संस्थागत जरूरतों सहित विविध क्षेत्रों की सेवा करती है, जो ऐसे समाधान सुनिश्चित करती है जो उन्नत तकनीक को एआई और आईओटी जैसी तकनीकों के साथ सहज कार्यक्षमता के साथ जोड़ते हैं। आईएफएसईसी इंडिया 2024 में इस साल का लाइनअप सीमाओं को आगे बढ़ाने, नवाचार को बढ़ावा देने और अपने ग्राहकों के लिए सार्थक मूल्य बनाने के हमारे विजन को दर्शाता है। हम इस गतिशील क्षेत्र में 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देख रहे हैं। घर की सुरक्षा को अगले स्तर पर ले जाते हुए, कंपनी ने होम कैमरों की एस प्रो रेंज पेश की, जिसे आधुनिक घरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये अत्याधुनिक कैमरे 5 एमपी एचडी रिज़ॉल्यूशन के साथ उन्नत कार्यक्षमता प्रदान करते हैं। इस तरह, स्मार्ट होम इकोसिस्टम के साथ इन्हें आसानी से इंटीग्रेट किया जा सकता है। साथ ही, अपनी आकर्षक डिज़ाइन के कारण इन्हें एक बेहतर उपहार के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। जैसे-जैसे इलेक्ट्रॉनिक होम सर्विलांस सिस्टम (ईएचएसएस) लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं, एस प्रो रेंज तकनीक-प्रेमी घर के मालिकों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

पोस्टमास्टर जनरल (पूर्वी) मनोज कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी डाक विभाग के योजनाओं की जानकारी

नई सोच एक्सप्रेस

ग्रामीण डाकघरों को पंचायत सरकार भवन में किया जा रहा शिफ्ट

» डाकघर की सुविधा प्राप्ति हेतु आमजन हों जागरुक - मनोज कुमार, पीएमजी (पूर्वी)

खगड़िया। भारतीय डाक विभाग के पोस्टमास्टर जनरल (पूर्वी) मनोज कुमार ने स्थानीय ज़िला अतिथि गृह में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से कहा अब ग्रामीण डाकघर भी कंप्यूटरीकृत हो गया है। भारत सरकार के डिजिटल इंडिया को मूर्त रूप देने में डाक विभाग़ अहम भूमिका निभा रही है। बाल आधार कार्ड का निर्माण गांव गांव में हो रहा है। यह सुविधा निःशुल्क है। ग्रामीण डाकघरों को पंचायत सरकार भवन में शिफ्ट किया जा रहा है। खगड़िया मुख्य डाकघर अंतर्गत 24 शाखा डाकघरों में 19 शाखा डाकघरों को पंचायत सरकार भवन में शिफ्ट किया जा चुका है। आगे उन्होंने कहा डाक महाध्यक्ष (पूर्वी) क्षेत्र में 1500 शाखा डाकघर हैं, जिसमें एक हज़ार शाखा डाकघरों को पंचायत सरकार भवन में शिफ्ट किया जा चुका है, शेष की प्रक्रिया जारी है। पोस्टमास्टर जनरल (पूर्वी) मनोज कुमार ने डाक विभाग द्वारा जनहित में संचालित विभिन्न योजनाओं की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी, जिसमें डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, महिला समृद्धि योजना, डाक निर्यात केंद्र की योजना, माई स्टाम्प योजना, अटल पेंशन योजना, किसान विकास पत्र तथा आवर्ती योजना शामिल है। आगे उन्होंने कहा इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में पेपर लेस खाता खोलने की सुविधा सभी ग्रामीण डाकघरों एवं उप डाकघरों में है। घर बैठे आई पी पी बी बैंक की खाता खुलवाने के साथ साथ जमा और निकासी भी करवा सकते हैं। पोस्टमास्टर जेनरल (पूर्वी) मनोज कुमार ने कहा भारत सरकार डाक विभाग के माध्यम से कई लोकोपयोगी योजनाएं चला रही है, इसका लाभ लोगों को अवश्य लेनी चाहिए। डाकघर के खाताधारियों को अन्य बैंकिंग सेक्टर से ज्यादा ब्याज भी दिया जाता है। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आमजनता को भी जागरूक होना होगा। उन्होंने कहा डाकघर एवं डाककर्मियों से संबंधित कोई सुझाव या शिकायत हो तो पब्लिक पोर्टल पर शिकायत अवश्य दर्ज करें। मौके पर उपस्थित थे बेगुसराय के डाक अधीक्षक नीरज कुमार, बेगुसराय के सहायक डाक अधीक्षक भूषण प्रसाद, खगड़िया के डाक निरीक्षक राजीव कुमार तथा पोस्टल सोसाइटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन डॉ अरविन्द वर्मा आदि।

जिलाधिकारी के निर्देश पर साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

» 45 आवेदनो पर त्वरित निष्पादन का आदेश

जहानाबाद। जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय के निर्देशानुसार अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन सिन्हा के नेतृत्व में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन कर जिले के 45 आमजनों के परिवादों को सुना गया। जिसमें अतिक्रमणवाद, आवास योजना, भू-अर्जन, विद्युत, वृद्धावस्था पेंशन, आपसी विवाद, राशन कार्ड सहित अन्य कार्यालयों एवं योजनाओं से संबंधित थे। सभी परिवादियों की समस्याओं को सुनकर सभी संबंधित पदाधिकारियों को सभी मामलों में विशेष रुप से ध्यान देते हुए, ससमय निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने पदाधिकारियो को निर्देश दिया गया कि जिला स्तर पर प्राप्त होने वाले शिकायतो का निष्पादन ससमय करें। जिससे की परिवादी को लाभ मिल सके एवं उन्हें उनके शिकायतों के निमित्त संतोषजनक जवाब प्राप्त हो सके। कुछ मामलों में संबंधित पदाधिकारियों को दूरभाष पर आवश्यक कार्रवाई कर प्रतिवेदन भेजने के लिए निर्देशित किया गया। वैसे मामले जो लोक शिकायत निवारण अधिनियम के अंतर्गत आते हैं। उन्हें सुनवाई हेतु पंजीकृत किया गया।

मशरूम उत्पाद स्वास्थबर्धक, औषधीय गुणों से भरपूर - शेखावत

नई सोच एक्सप्रेस

» पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण के समापन समारोह पर उप विकास आयुक्त ने कहा

लोहरदगा। जिला के उप विकास आयुक्त,दिलीप सिंह शेखावत ने कहा कि मशरूम में प्रचूर मात्रा में पौष्टिक तत्व पाया जाता है जो औषधीय गुणों से भरपूर है । श्री शेखावत ने प्रशिक्षण के समापन समारोह में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र, बैग, स्प्रेयर एवं अन्य सामग्रियां वितरण किया। जिला उद्यान पदाधिकारी,संतोष कुमार ने मशरूम प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मशरूम उत्पादन से महिला अपना जीवकोपार्जन कर सकती है।उद्यान विकास योजनान्तर्गत ए पी पी एग्रीगेट द्वारा लोहरदगा जिले के में 165 लाभुको कृषकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रखण्ड - पेशरार,ग्राम - तुईमु और प्रखण्ड - लोहरदगा के निगनी पंचायत भवन में दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उत्पादन के महत्व, मशरूम की आहार पौष्टिकता, मशरूम का औषधीय गुणों, वायस्टर मशरूम की खेती के तरीके, मशरूम फसल प्रबंधन, तुडाई और ऊपज सहित बाजारीकरण की जानकारी दी गई। इस अवसर पर समूह चर्चा, समूहों द्वारा प्रस्तुतिकरण, प्रायोगिक काम भी कराया गया। इस अवसर पर ए पी पी एग्रीगेट के निदेशक, प्रभाकर कुमार ने कहा कि मशरूम उत्पादन से बहुउद्देशीय काम किया जा सकता हैं। फर्म के राज्य प्रमुख, अनमोल कुमार ने मशरूम प्रशिक्षण की उपयोगिता और लाभ की जानकारी दी। इस अवसर पर झारखण्ड टाईब्ल डेवलपमेंट सोसाइटी के जिला परियोजना प्रबंधक, कृष्णा राम वित्त प्रशासनिक,मनिन्द्र कुमार तिवारी मुखिया, कमला देवी,उपमुखिया ,वीरेंद्र उरांव प्रधान, मोहन असुर प्रशिक्षिका,पूनम संगा, अनोखा कुमारी, गजाला परवीन , सामू महतो सी एफ जनजागरण केन्द्र,हजारीबाग आदि ने मशरूम उत्पादन के विभिन्न तरह की जानकारी दी।

देश ने ऐसा व्यक्ति खोया जिन्हें विनम्रता, सहजता, ईमानदारी व निष्ठा के लिए हमेशा जाना जाएगा - सुनील कुमार यादव

नई सोच एक्सप्रेस

» कांग्रेस कार्यालय में शोक सभा का हुआ आयोजन दी गई श्रद्धांजलि

कटिहार। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ० मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में गुरुवार रात दिल्ली स्थित एम्स में निधन हो गया। इसी को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र आश्रम में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ०मनमोहन सिंह के निधन पर शोकसभा का आयोजन कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनील कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस शोक सभा में सर्वप्रथम सभी कांग्रेस नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री के तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया उसके बाद दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया गया जबकि कांग्रेस पार्टी के झंडे को पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में झुकाया गया। मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुनील कुमार यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ० मनमोहन सिंह जी उन राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन के क्षेत्र दोनों में समान सहजता से काम किया सार्वजनिक पदों पर अपनी अलग-अलग भूमिकाओं में काम करते हुए उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार में अहम भूमिका निभाई। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा, बेदाग राजनीतिक जीवन और बेहद विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा उनका निधन हम सभी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मैं भारत के सबसे महान सपूतों में से एक डॉ० मनमोहन सिंह को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वहीं कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप विश्वास एवं वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि भारत ने अपने सबसे सम्मानित नेताओं में से एक डॉ० मनमोहन सिंह जी को खो दिया हैं। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर उन्होंने एक सम्मानित अर्थशास्त्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने वित्त मंत्री सहित सरकार के कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दीं और हमारी आर्थिक नीति पर गहरी छाप छोड़ी हैं। मौके पर पूर्व विधायक सुनीता देवी, महिला जिलाध्यक्ष अंजुमन कौसर उर्फ आम्रपाली यादव,बिनोद यादव ,प्रह्लाद गुप्ता ,पंकज तंबाकूवाला,शंकर साह आनंद सिंह ,रिंकू मिश्रा, सऊद मुखिया ,सिमरनजीत सिंह, सिकंदर मंडल, इस्तियाक आलम, जहांगीर आलम, अमर तिवारी ,गौरव सिंह, अमित पासवान,सुबोध यादव मोहरम खान,रतन यादव ,बेचैन पाण्डेय,सुबीर सरकार ,मोहमद मासूम,सऊद साहब मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

सरकारी आंकड़े ही संदिग्ध होते गए

पिकेटी का सुझाव है कि भारत को जीडीपी-टैक्स अनुपात में सुधार कर अतिरिक्त संसाधन इक_ा करना चाहिए। उसका निवेश मुफ्त स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को सशक्त करने में किया जाना चाहिए। यही विकसित देश बनने का रास्ता है। बढ़ती आर्थिक गैर-बराबरी पर राजधानी में एक गंभीर चर्चा हुई। इसमें दो नजरिए उभर कर सामने आए। एक नजरिये की नुमानंदगी भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने की। उन्होंने कहा कि न्यायपूर्ण आर्थिक विकास को मापने का पैमाना आमदनी की गैर-बराबरी कम करना नहीं, बल्कि गरीबी घटाना है। उन्होंने दावा किया कि पूंजी पर टैक्स लगाने से निवेश नहीं बढ़ेगा, बल्कि पूंजी का पलायन शुरू हो जाएगा। उनका यह दावा भी दिलचस्प है कि समानता थोपने से सूक्ष्म एवं लघु व्यापार को अधिक क्षति पहुंचती है। ऐसी कोशिश को नागेश्वरन ने सीमा लगाने का अत्याचार बताया और कहा कि ऐसा करने पर छोटे कारोबारी छोटे ही रह जाएंगे। 'गैर-बराबरी, आर्थिक वृद्धि एवं समावेशनÓ विषय पर हुई इस चर्चा में दूसरा पक्ष विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी रख चुके थे। पिकेटी ने अपनी चिर-परिचित राय रखी कि भारत को जरूरत जीडीपी-टैक्स अनुपात को सुधारने की है। उनका सुझाव है कि भारत को सबसे धनी एक फीसदी लोगों पर दो फीसदी धन कर लगाना चाहिए जाए और आय कर व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना चाहिए। इससे इक_ा अतिरिक्त संसाधनों का निवेश मुफ्त स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को सशक्त करने में किया जाना चाहिए। यही विकसित देश बनने का रास्ता है। मगर नागेश्वरन की बात से साफ है कि भारत सरकार इस नजरिए से बिल्कुल सहमत नहीं है। बहरहाल, चूंकि उन्होंने न्यायपूर्ण विकास को मापने का पैमाना गरीबों की संख्या में गिरावट को बताया, तो यह मुद्दा उठेगा कि आखिर गरीबी को मापने की कसौटी क्या हो? भारत सरकार ने सामान्यतः मान्य कसौटियों को ताक पर रखते हुए जो पैमाना अपनाया है, उसे इस क्षेत्र के विशेषज्ञ स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। सबसे पहले तो सरकारी आंकड़े ही संदिग्ध होते गए हैं। उसे ठीक करने की जरूरत है। फिर बेहतर होगा, सरकार प्रति दिन प्रति व्यक्ति कैलोरी की उपलब्धता के पुराने पैमाने को आधार बनाए। उस पर देखा जाए, तो असल में गरीबों की संख्या बढ़ी है। फिर भी क्या नागेश्वरन कहने की स्थिति में हैं कि जिस सरकार के वे सलाहकार हैं, उसकी नीतियों से गरीबी में ह्रास हुआ है?

नदी जोड़ो अभियान, एक सदी का सपना..!!

नदी जोड़ो अभियान आज चर्चा का विषय है। इसका श्रेय सभी पार्टियों लेने की कोशिश भी करती हैं लेकिन इन परियोजनाओं का इतिहास 100साल से भी अधिक पुराना है।इस इतिहास को जानकर यह समझा जा सकता है कि सपनों के फलीभूत होने में सैकड़ों साल की तपस्या शामिल होती है ।इसमें कोई एक व्यक्ति अकेला नहीं है,बल्कि सरकारों के निरंतर और सकारात्मक प्रयास हैं।हालांकि गुलाम भारत मे 1900 के दशक में एक अंग्रेज इंजीनियर आर्थर कॉटन ने भारत की नदियों को जोडऩे की कल्पना की थी ।उसका उद्देश्य था कि नदियों के अतिरिक्त जल से बड़ी-बड़ी नहरें बनाकर जल मार्गों की वृद्धि की जा सकती है जिससे ब्रिटिश सरकार को व्यापारिक सुविधा मिलेगी तथा दक्षिण भारत के तथा उड़ीसा के सूखे से निपटा जा सकेगा और वहां पर अतिरिक्त जल भेज कर उत्पादन में वृद्धि भी की जा सकेगी ।किंतु इसमें आने वाले खर्च को देखकर ब्रिटिश हुकूमत भी आगे नहीं बढ़ी और यह ठंडे बस्ते में चली गई। देश आजाद हुआ और राष्ट्र निर्माण की योजनायें बननी शुरू हुईं।गरीबी संसाधनों के अभाव और तकनीशियनों की कमी से प्रथमिकताये आगे बढ़ती गईं। आजादी के लगभग 23 साल बाद जब इंदिरा जी की सरकार में डा के एल राव जो कि बांध बनाने वाले इंजीनियर थे,सिंचाई मंत्री बने तब उन्होंने आर्थर काटन के इस सपने से धूल झाड़ी और इंदिरा जी के सामने रखा।कांग्रेस ने 1970 में इस योजना को नये दृष्टिकोण से जीवित किया। डा. के एल राव की सोच थी कि जो हिमालयीन नदियां हैं उनमें ग्लेशियरों के पिघलने के कारण गर्मियों में अतिरिक्त जल होता है और बाढ़ आती है जबकि प्रायद्वीपीय नदियां गर्मियों में सूख जाती हैं और उनमें बरसाती मौसम में बाढ़ आती है अतः हिमालयीन नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों की आपस में जोड़ दिया जाता है तो सूखे के मौसम में जल की उपलब्धता बनी रह सकती है इसे इंटर-वेसिन रिवर लिंकिंग कहा गया। इंदिरा गांधी ने 1980 में इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए एनडीआरडी की रिपोर्ट तैयार करवाई ।इसकी वित्तीय व्यवस्था बनाने के लिए शुरुआत की गई और उन्होंने 1982 में नेशनल वाटर डेवलपमेंट अथॉरिटी का निर्माण किया यह नदी जोड़ो अभियान का पहला कदम था।इसके अंतर्गत इंटर-वेसिन नदियों को जोडऩे की योजनाओं पर कार्य शुरू हुआ ।कध्धययन हुए रिपोर्टें तैयार हुईं। जब 1999 में एनडीए की सरकार आई और अटल बिहारी बाजपेयी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने इसे उलटकर योजना के पूरे स्वरूप को ही बदल दिया और इंटर-बेसिन परियोजनाओं को इंट्रा-वेसिन परियोजनाओं में बदल दिया किंतु 2003 तक यह विचार स्वरूप लेता इसके पहले ही 2002 में सुप्रीम कोर्ट में इसके विरोध में पीआईएल लग गई ।आगामी चुनाव में बाजपेयी सरकार उलट गई और 2004 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार का गठन हुआ। तब इस परियोजना को फिर वास्तविक स्वरूप यानि इंटर- बेसिन योजना के रूप में जीवित किया गया तथा सरकार ने इस पर व्यापक अध्ययन करवाया । साल 2012 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह फैसला दिया कि नदियों के इंटरलिंकिंग का फैसला नीतिगत है और इसे सरकारें ही करें ।तब इस योजना के लिए 2012 से गति प्रदान की गई विभिन्न राज्यों के जल बंटवारे के आपसी समझौते और विवादों के निपटारे, पर्यावरणीय जोखिम एवं इकोसिस्टम को पहुंचने वाले नुकसानों के अध्ययन करते-करते और सुलझाते-सुलझाते 2021 में केन बेतवा योजना को कैबिनेट की स्वीकृति मिली जिसका भूमि पूजन वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया है। इंटर बेसिन नदी जोड़ो परियोजना मूलत आर्थर कॉटन का सपना था जिसे डॉक्टर केएल राव ने आगे बढ़ाया और इंदिरा गांधी की सरकार ने इसे संस्थागत स्वरूप प्रदान कर राष्ट्रीय जल विकास अथॉरिटी का निर्माण किया और इस अथॉरिटी ने ही इस कल्पना को जमीन पर उतारने की शुरुआत की ।संसाधन जुटाये, अध्ययन करवाया और यह योजना लगभग 54 साल बाद अब आकार ले रही है ।

उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना!

आरती कुमारी

भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश-विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।' दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया। डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात् उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉ॰ सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ॰ सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ॰ सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं। पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं। जवाहर लाल नेहरू के बाद मनमोहन दूसरे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर दो कार्यकाल पूरा किया। उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी अडिग माना जाता है। 2004 से 2014 तक, भारत दसवें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई। डॉ. सिंह के दृष्टिकोण में केवल उच्च विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास और उस विश्वास की भी अहमियत थी जो सभी को ऊपर उठाने वाली लहरें उत्पन्न कर सके। यह विश्वास उनके द्वारा पारित किए गए विधेयकों में दिखाई देता है, जिनसे नागरिकों को भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित हुआ। डॉ. सिंह की अधिकार-आधारित क्रांति ने भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्रदान करने का संकल्प था। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में समृद्धि और विकास की कहानी लिखी गयी। जुलाई 1991 में, डॉ. सिंह ने अपने बजट भाषण के अंत में कहा था, 'भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।' डॉ. सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा, जिनसे उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया, बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया। डॉ. सिंह के राजनीतिक जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आये, जब सार्वजनिक तौर पर उनकी प्रतिष्ठा और उनके पद को कमतर दिखाने की कोशिश की गई। लेकिन फिर भी देश के लिए जीने और मरने की कसम खाने वाले डॉ. सिंह ने देश हित में अपमान के ये घूंट भी चुपचाप पी लिए। डॉ. मनमोहन सिंह को एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर भी कहा गया। 2019 में इसी नाम से फिल्म आई। यह संजय बारू की किताब पर बनी थी। डॉ. सिंह देशहित में नीतियां बनाने एवं राजनीति की नयी दिशाएं तलाशने में माहिर थे, उनका जीवन सफर राजनीतिक आदर्शों की ऊंची मीनार हैं, राजनीति का एक प्रकाश है। उनका निधन एक युग की समाप्ति है। वे गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, नीडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे। बेशक डॉ. सिंह अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने सफल राजनीतिक जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। भारतीय राजनीति में सादगी, कर्मठता, ईमानदारी एवं राजनीतिक कौशल से अपनी जगह बनाने वाले एवं निरन्तर चमत्कार घटित करने वाले डॉ. सिंह अपनी प्रभावी एवं शालीन भूमिका से देश की आर्थिक मजबूती की एक बड़ी उम्मीद बने थे। उनका समूचा जीवन राष्ट्र को समर्पित एक जीवन यात्रा का नाम है- आशा को अर्थ देने की यात्रा, ढलान से ऊंचाई की यात्रा, गिरावट से उठने की यात्रा, मजबूरी से मनोबल की यात्रा, सीमा से असीम होने की यात्रा, जीवन के चक्रव्यूहों से बाहर निकलने की यात्रा। मन बार-बार उनकी तड़प को प्रणाम करता है। उस महापुरुष के मनोबल को प्रणाम करता है!

आर्थिक मोर्चे पर सफलता की कुंजी थे मनमोहन सिंह- जिसने मोदी सरकार के लिए भी 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का रास्ता भी खोला

अशोक भाटिया, मुंबई

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया। उनकी मृत्यु की खबर से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। 92 वर्षीय डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने लंबे राजनीतिक करियर में देश को कई ऐतिहासिक सुधार और योजनाए दीं, जिनका प्रभाव आज भी देखा जा सकता है।डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी आर्थिक सुधारवादी सोच और कल्याणकारी नीतियों के लिए जाना जाता है। उनके नेतृत्व में देश ने कई ऐसे कानून और नीतियां अपनाईं, जिन्होंने लाखों नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाया। मनमोहन सिंह को 1991 में भारत की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए जाना जाता है साथ ही मनमोहन सिंह का नाम शीर्ष अर्थशास्त्रियों की फेहरिस्त में सम्मान से लिया जाता है। ऐसा माना जाता है कि अगर वह नहीं तो 1991-92 में भारत आर्थिक रूप से अपंग हो गया होता। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव मिलकर भारत की आर्थिक दिशा ही बदल दी।आज दुनिया भर के देशों की भारतीय बाजार पर नजरें हैं। हर विकसित देश को भारत का 'खुला बाजार' निवेश के लिए आकर्षित कर रहा है। बाजार को खुला छोड़ने के लिए पहला कदम आज से ठीक 33 साल से पहले उठाया गया था। दरअसल, बतौर वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने आज ही के दिन यानी 24 जुलाई 1991 में अपना पहला बजट संसद में पेश किया था। भारत के इतिहास में मनमोहन सिंह के पहले बजट को अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर बजट माना जाता है। मनमोहन सिंह ने इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट पॉलिसी में बदलाव कर भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया के लिए खोल दिया था। एक तरह से 1991 में पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने देश से लाइसेंस राज को खत्म करने का ऐलान कर दिया था। जबकि यह सरकार कुछ महीने पहले ही बनी थी। 21 जून 1991 को पीवी नरसिम्हा राव देश के नए प्रधानमंत्री बने थे।दरअसल, मनमोहन सिंह के पहले बजट ने देश का आर्थिक माहौल बदलना शुरू कर दिया। क्योंकि बजट में मनमोहन सिंह ने अर्थव्यवस्था के लिए उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की राह पर चलने का ऐलान कर दिया था। पिछले 33 वर्षों में भारतीय इकोनॉमी को इसी राह पर मजबूत कामयाबी मिली है, और अब 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की बात होने लगी है। आज भारतीय खजाना विदेशी मुद्रा भंडार से भरा हुआ है। तीन जुलाई, 2021 तक विदेशी मुद्रा भंडार 611 अरब डॉलर तक पहुंच गया। लेकिन 30 से पहले 1991 में जब मनमोहन सिंह वित्तमंत्री बने थे, तब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार केवल 5.80 अरब डॉलर का था। जिससे सिर्फ दो हफ्तों तक ही आयात किया जा सकता था। अर्थव्यवस्था के लिए यह सबसे कठिन दौर था। साल 1991 में भारत का भुगतान संतुलन इतना बिगड़ा कि देश को सोना गिरवी रखना पड़ गया था। लेकिन इस संकट से उबरने के लिए बजट में भारतीय बाजार को विदेशी कंपनियों के लिए खोल दिए गए थे। इस कदम से केंद्र सरकार को चंद महीनों में ही इकोनॉमी के मोर्च पर पहली सफलता मिली, जब दिसंबर-1991 में सरकार विदेशों में गिरवी रखा सोना छुड़वाने में कामयाब रही। साल 1991 में जब आर्थिक चुनौतियां थीं, तब देश को सोने ने साथ दिया था। वैसे पिछले 33 वर्षों में सोने ने अपनी चमक खूब बिखेरी है। 1991 में 24 कैरेट सोने की कीमत लगभग 3466 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। 33 साल के बाद आज सोना लगभग 78 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम बिक रहा है।साल 1991 में देश में प्रति व्यक्ति आय 538 रुपये महीने थी, जो 2024 में बढ़कर 14000 रुपये महीने हो गया है। पिछले 33 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में करीब साढ़े 27 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी। प्रति व्यक्ति आय किसी देश, राज्य, नगर या अन्य क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों की औसत आय होती है। उदारीकरण की पहल को शेयर बाजार ने भी सलाम किया है। उदारीकरण से पहले 25 जुलाई 1990 को सेंसेक्स महज 1000 अंक का था, जिसे साल 1991 में मनमोहन सिंह की वित्त-नीति से पंख लग गए। दिसंबर-1991 में सेंसेक्स 1908 अंक तक पहुंच गया। इस तरह से साल 1991 में सेंसेक्स कुल 881 अंक बढ़ा था। आज मोदी सरकार के राज में सेंसेक्स 79000 के आसपास है। पिछले 30 वर्षों में बैंकिंग सेक्टर में सुधार के लिए कई कदम उठाए गए हैं। मार्च 1991 में कुल बैंकों की संख्या 272 थी, जो 2021 में घटकर 100 के आसपास हो गई। इसमें ग्रामीण बैंकों की संख्या 196 से घटकर 43 हो गई। वर्तमान में तमाम बैंकों के विलय के बाद सरकारी क्षेत्र के केवल 12 बैंक रह गए हैं। मोदी सरकार सरकार इसमें भी कम करने की बात कर रही है। स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर, देश के वित्त मंत्री से लेकर 10 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहने तक देश की अर्थव्यवस्था और तरक्की में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साल 2004 से 2014 के बीच उनकी सरकार ने 5 ऐसे बड़े फैसले किए थे, जिसने देश के लोगों की तकदीर बदली, साथ ही देश की इकोनॉमी में भी तेजी लाने का काम किया। प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने कुछ काम ऐसे किये जिसे जनता आज भी याद रखती है । अगर मनमोहन सिंह की सरकार के सबसे बड़े इकोनॉमिक रिफॉर्म के बारे में पूछा जाए, तो वह महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) कानून का पास कराया जाना था। इस एक कानून ने देश में पलायन की समस्या पर रोक लगाने में अहम भूमिका अदा की। इतना ही नहीं, इस कानून की वजह से गांव, गरीब और अकुशल लोगों के लिए 100 दिन का गारंटीड रोजगार मिलना सुनिश्चित हुआ।इस कानून ने 2008 की मंदी में देश के अंदर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बचाए रखने का काम किया।मनमोहन सिंह की सरकार में सूचना का अधिकार पारित किया गया। इस एक कानून ने इकोनॉमी में ट्रांसपरेंसी लाने का बड़ा काम किया। इससे सरकार की जवाबदेही और उसके पारदर्शिता सुनिश्चित हुई, जो ओवरऑल इकोनॉमी के लिए एक अच्छा कदम साबित हुआ। मनमोहन सिंह की सरकार में एक और बड़ा काम 'भोजन के अधिकार' का हुआ। इसके तहत देश के गरीब लोगों को रियायती दर पर भोजन देने का प्रावधान किया गया। इसका फायदा ये हुआ कि देश की एक बड़ी आबादी भूख की चिंता करके देश की इकोनॉमी में अपना योगदान दे सकी। आज देश में जो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना चल रही है, वह इसी कानून की बदौलत है। इस कानून ने कोविड के दौरान देश के गरीब लोगों की बहुत मदद की। मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री कार्यकाल में देश की अंतरिक्ष (स्पेस) इकोनॉमी को पावर बूस्ट मिला था। उसी दौर में देश की स्पेस एजेंसी इसरो ने अपने स्पेस क्राफ्ट चंद्रमा और मंगल पर भेजे। इस एक कदम ने भारत को ये ताकत दी कि वह पारग्रही स्पेस मिशन भेजने में भी सक्षम है। मनमोहन सिंह की सरकार के समय में ही भारत के अंतरिक्ष मानव मिशन की रूपरेखा को अमलीजामा पहनाया गया। मनमोहन सिंह की सरकार ने देश की इकोनॉमी, युवाओं और भविष्य की जरूरत को समझते हुए स्किल डेवलपमेंट पर काम किया। उन्हीं के कार्यकाल में स्किल डेवलपमेंट मिशन की नींव पड़ी, जो आज के समय में कौशल विकास मंत्रालय का रूप ले चुकी है। इकोनॉमी की ग्रोथ की लिहाज से उनकी सरकार का ये कदम काफी अहम था, क्योंकि ये देश की बढ़ती इकोनॉमी के लिए स्किल्ड वर्क फोर्स को तैयार करने का कदम था। आज मोदी सरकार को पूर्व प्रधानमंत्री और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा किये कामों से बहुत सहायता मिली है । आज भारत की विदेश नीति को पूरी दुनिया में सराहा जाता है, लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी जिस सफल विदेश नीति का संचालन कर रहे हैं, उसका आधार देश के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह ने ही तैयार किया था। देश की विदेश नीति के लिए कुछ घटनाएं परिवर्तनकारी रहीं, जिनमें साल 1991 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व में देश में आर्थिक उदारीकरण की घटना है, जिसने देश की विदेश नीति को नया आकार दिया। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में पोखरण में परमाणु परीक्षण ऐसी घटना थी, जिसने देश की विदेश नीति के दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव किया। मनमोहन सिंह की विशेषज्ञता के क्षेत्र वित्त और अर्थशास्त्र रहे, लेकिन विदेश नीति में भी उनका उल्लेखनीय योगदान रहा, जिस पर कम बात होती है।साल 2004 में जब डॉ. मनमोहन सिंह ने अटल बिहारी वाजपेयी के बाद प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली तो विदेश नीति पर उनका विशेष फोकस रहा। पोखरण परमाणु परीक्षणों के बाद से भारत की विदेश नीति जिस दिशा में आगे बढ़ी थी, मनमोहन सिंह ने भी उसे उसी दिशा में जारी रखा और भारत को एक जिम्मेदार परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्थापित किया। यही वजह रही कि भारत और अमेरिका के बीच असैन्य परमाणु समझौता हुआ। साथ ही मनमोहन सिंह के कार्यकाल में ही भारत को परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) से क्लीन-चिट मिली। भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता भारत की ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीतिक संबंधों के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इससे न सिर्फ भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली, बल्कि इसके जरिए भारत और अमेरिका के बीच सहयोग का रास्ता भी खुला, जो आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा के प्रयत्न से ऊंचाइयों पर जा चुका है।

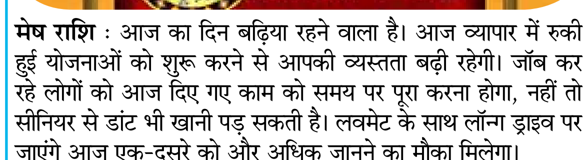

मेष राशि : आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। जॉब कर रहे लोगों को आज दिए गए काम को समय पर पूरा करना होगा, नहीं तो सीनियर से डांट भी खानी पड़ सकती है। लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे आज एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है । आज आपके व्यापार में लाभ बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरते। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोडा अधिक मेहनत करने की जरुरत है।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा । विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और मेहनत करने की जरुरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा । आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा ।

कर्क राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलोगी। आज आप जो भी काम करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा । रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढेगी । बडे-बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी वाह-वाही करेंगें। हर काम मन लगाकर करने से आपको फायदा होगा।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है । आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से साझेदारी करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है। कला से जुड़े लोगों का समाज में मान सम्मान बढेगा, आपकी क्रिएटिविटी की लोग सराहना करेंगे।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज बेवजह की उलझन से दूर होकर आप किसी मंदिर पर अपना कुछ समय बिताएंगे। आज यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आप परिवार के किसी काम में व्यस्त हो सकते हैं। छोटे उद्यमियों के लिये दिन ठीक रहेगा।

तुला राशि : आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है। बिजनेस के किसी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। आपका काम अच्छे से पूरा होगा। रोजमर्रा की जिंदगी में... आज कुछ नयापन आ सकता है। इस राशि के बच्चों को उनके शिक्षकों से तारीफ मिलेगी । बड़े-बुजुर्ग अपने किसी बचपन के दोस्त से मिल सकते हैं.. यादों को लेकर आपस में चर्चा करेंगे । जरूरतमंद को भोजन कराने से आपको सुकून मिलेगा ।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। साथ ही लेन-देन के मामलों में.. आपको सावधानी बरतने की जरुरत है। करियर में भी आपको गुरुजन का मार्गदर्शन मिलने से आसानी होगी.. आप जीवन में आगे बढ़ेंगे। आज आपका कॉन्फिडेंस ही आपके काम को पूरा करने में मदद करेगा।

धनु राशि: आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। अगर आपको लगता है कि आप दुनिया की दौड़ भाग भरी जिंदगी में कहीं खो गए हैं, तो अपने लिए वक्त निकालेगे और अपने व्यक्तित्व का आकलन करेंगे। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर करने का प्रोग्राम बनायेंगे, जिससे रिश्तों में मिठास आयेगी।

मकर राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज आपके दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहने से खुशियाँ बढ़ेगी। आज सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरूस्त रहेंगे। विद्यार्थियों को लक्ष्य पाने के लिए शिक्षकों का पूरा मार्गदर्शन मिलेगा। आज आपके काम करने की कला से लोग प्रभावित होंगे। लेखन के क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है, यह खुशखबरी आपके जीवन को बदल सकती है।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। ऑफिस मे सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सिखाना चाहेंगे। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा । आज आपको कामों में राजनीतिक रिश्ते का फायदा मिलेगा। आपका ख़ास काम करीबी दोस्त की सहायता से पूरा हो जायेगा। आप किसी काम को लेकर उत्साहित होंगे, काम आसानी से व समय से पूरा हो जायेगा।

मीन राशि: आज का आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच समंजास्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। नए वाहन का सुख मिलने के योग हैं। आज जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलने से आपको ख़ुशी होगी। आज घर के कामों को करने के बाद महिलाएं फोन पर बातचीत करके अपना कुछ समय बिताएंगी। आप आज परिवार के साथ कहीं धार्मीक स्थान जायेंगे।

यशस्वी की शानदार पारी के बाद लड़खड़ाई भारत की पारी, 164 रन पर खोए 5 विकेट

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां चल रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत ने अपनी पहली पारी में 164 रन पर 5 विकेट खो दिये हैं। दिन का खेल समाप्त होने पर ऋषभ पंत 6 और रवींद्र जडेजा 4 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया से अभी भी 310 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। भारत की पहली पारी की शुरुआत खराब रही और कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर पैट कमिंस का शिकार बने। रोहित इस मैच में यशस्वी जयसवाल के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे थे। रोहित के आउट होने के बाद केएल राहुल और जयसवाल ने भारत की पारी को 50 के पहुंचाया। हालांकि चायकाल से ठीक पहले 51 के कुल स्कोर पर राहुल पैट कमिंस का दूसरा शिकार बने। राहुल ने 24 रन बनाए।

कोहली-जयसवाल ने तीसरे विकेट के लिए की 102 रन की साझेदारी- राहुल के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने उतरे विराट कोहली ने संभलकर खेलना शुरू किया और यशस्वी जयसवाल के साथ मिलकर भारत का स्कोर 150 के पार पहुंचाया। हालांकि 153 के कुल स्कोर पर जयसवाल दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हो गए। जयसवाल ने 118 गेंदों पर 11 चौके और 1 छक्के की बदौलत 82 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। आउट होने से पहले उन्होंने विराट के साथ 102 रनों की साझेदारी की।

लड़खड़ाई भारत की पारी- जयसवाल के आउट होने के बाद कोहली भी चलते बने। कोहली को बौलैंड ने अपना शिकार बनाया। कोहली ने 36 रन बनाए। नाइटवाच मैन केरूप में उतरे आकाशदीप भी कुछ खास नहीं कर सके और 159 के कुल स्कोर पर बिना खाता खोले बोलैंड का दूसरा शिकार बने। इसके बाद जडेजा और पंत ने दिन का खेल खत्म होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। जडेजा 4 और पंत 6 रन बनाकर नाबाद हैं।- **ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 474 रन, स्मिथ का शतक-** इसके पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। इन चारों के अलावा पैट कमिंस (49) और एलेक्स कैरी (31) ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, रवींद्र जडेजा ने 3, आकाशदीप ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

पोटिंग सहित कई पूर्व दिग्गजों ने रोहित के शॉट चयन पर सवाल उठाये

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी सीरीज के चौथे क्रिकेट टेस्ट की पहली पारी में भी असफल रहे और केवल तीन रन ही बना पाये। इसी को लेकर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने रोहित के शॉट चयन पर सवाल उठाये हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि जिस प्रकार पैट कमिंस की एक अच्छी गेंद को भारतीय कप्तान ने खेला वह निराशाजनक था। पोंटिंग के अनुसानर मजबूत गेंदबाजी लाइन-अप का सामना करते समय आपको हमेशा तैयार रहने के साथ ही सही फैसले लेने चाहिए। रोहित इस सीरीज में पहली बार पारी की शुरुआत करने उतरे थे पर वह उसमें विफल रहे। इससे पहले दूसरे और तीसरे टेस्ट में वह मध्यक्रम पर उतरे थे लेकिन वहां भी वह रन नहीं बना पाये। इस बार रोहित ने पारी की शुरुआत करते हुए कमिंस की गेंद पर एक पुल शॉट खेला पर गेंद ठीक से बल्ले पर नहीं आयी और वह कैच हो गये। इस शॉट की आलोचना करते हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि ये एक बेमन से लगाया शॉट था जिसके लिए रोहित ने ठीक से प्रयास नहीं किया। उन्होंने अपनी जगह पर खड़े-खड़े खेलने का प्रयास किया। इस प्रकार के शॉ को प्रतिबद्ध होकर लगाया नहीं कहा जा सकता है। वह आक्रामक भी नहीं लग रहे थे। वह बस गेंद को किसी प्रकार दिशा देने का प्रयास करते हुए दिखे। अगर आप इस तरस से ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण का सामना करते हैं तो आपको सावधान रहना होगा और अच्छे निर्णय लेने होंगे। वहीं अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो वे हर बार अपना विकेट गंवा देंगे। इसी प्रकार के विचार ऑस्ट्रेलिया के ही पूर्व क्रिकेटर डेरेन लेहमैन ने व्यक्त किये हैं। उन्होंने कहा, अगर हिट करने जा रहे हैं तो उसे हिट करें रोहित। आप एक क्लास खिलाड़ी हैं, आपको वास्तव में इसे स्वीकार करना चाहिए। आउटफील्ड में बहुत जगह है, इसे स्वीकार करें और शॉट खेलें। इसके अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी रोहित के आलसी रवैये की आलोचना की। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक बड़ी गलती है, यह एक बेकार शॉट था। वह पारी की शुरुआत में ही गति और उछाल जाने बिना ही गेंद को हिट करने का प्रयास करता है जो सही नहीं है। रोहित पिछले कुछ सयम से लगातार खराब दौर से गुजर रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये थे।

पाक के खिलाफ सीरीज जीतकर डब्लयूटीसीसी फाइनल में जगह बनाना चाहेगी दक्षिण अफ्रीका

सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीका की टीम का लक्ष्य गुरुवार से यहां पाकिस्तान के खिलाफ शुरु हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज जीतकर अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसीसी) फाइनल में जगह बनाना रहेगा।। दक्षिण अफ्रीका की टीम को डब्लयूटीसीसी फाइनल में पहुंचने अभी केवल एक टेस्ट मैच में जीत की जरुरत है। कप्तान तेम्बा बावुमा को भरोसा है कि उनकी टीम दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज को जीतकर उम्मीदों पर खरी उतरेगी। बावुमा ने कहा ,'' अपेक्षाओं का दबाव तो है पर हम सीरीज में 2- 0 से जीत हासिल करने का प्रयास करेंगे। हमें पता है कि इसके लिये एक टीम के रूप में हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।'' दक्षिण अफ्रीका की टीम मेंज गेंदबाज कैगिसो रबाडा और मार्को जानसेन के साथ डेन पीटरसन जैसे तेज गेंदबाज हैं। पिछले छह साल में सेंचुरियन की पिच पर तेज गेंदबाजों का प्रभाव रहा है। यहां तेज गेंदबाजों को 227 विकेट जबकि स्पिनरों को 16 विकेट ही मिले हैं। दक्षिण अफ्रीका को वनडे सीरीज में पाकिस्तान से तीनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। ऐस में उसे टेस्ट सीरीज में जीत के लिए काफी प्रयास करने होंगे। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो पाक ने दक्षिण अफ्रीका में 15 में से केवल दो टेस्ट जीते हैं और 12 वह हारी हैं, ऐसे में उसपनर मनोवैज्ञानिक दबाव रहेगा। डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में पाक की टीम अभी सातवें नंबर पर है और डब्लयूटीसीसी फाइनल की रेस से बाहर हो गयी है पर वह मेजबान टीम का खेल जरुर बिगाड़ सकती है।

आईपीएल 2025 के पहले मैच में कप्तानी नहीं कर पायेंगे पंड्या

मुम्बई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या आईपीएल 2025 का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। पंड्या पर एक मैच का प्रतिबंध लगा है। ऐसे में पहले मैच में मुम्बई इंडियंस को किसी और खिलाड़ी को कप्तान बनाना होगा। पंड्या पर ये प्रतिबंध इसलिए लगाया गया है क्योंकि वह पिछले आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कप्तान थे और तब टीम अपना अंतिम मैच लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलत हुए तय समय पर ओवर पूरे नहीं कर पायीं थीं। इस प्रकार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसआई) के नियमों के अनुसार, पंड्या को एक मैच का प्रतिबंध झेलना होगा, चाहे वह किसी नई टीम से भी जुड़ जायें। मैच में ओवर समय पर पूरा नहीं करने की वजह से पंड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगा था, जबकि अन्य इंपैक्ट खिलाड़ी सहित अंतिम -12 पर 12 लाख या मैच फीस का 50 फीसदी का जुर्माना लगा था। बता दें कि टूर्नामेंट में यह तीसरा मौका था, जबकि पंड्या की कप्तानी वाली टीम समय पर ओवर पूरा नहीं कर सकी थी और उसे धीमी ओवर गति के लिए दंडित किया गया था।

खेल में नई-नई प्रतिभाएं उभरी है :अभिनव बिंद्रा

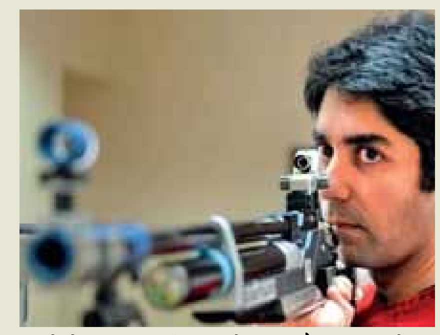

गुड़गांव। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा कहा है कि पिछले एक दशक में देश में खेलों का तेजी से विकास हुआ है और खेल में नई-नई प्रतिभाएं उभरी है। अब इस खेल में जो प्रतिभाएं आ रही हैं उनमें गहराई भी है। जिस प्रकार की सफलता मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में हासिल की उससे ये साबित हुआ है। मनु ने ओलंपिक निशाने बाजी में दो कांस्य पदक जीत थे। बिंद्रा ने में कहा, 'निशानेबाजी के खेल में भारत में आज जैसी प्रतिभा है, वह इस किसी अन्य खेल में नहीं है। राष्ट्रीय स्तर और विश्व स्तर पर बहुत से निशानेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि पिछले एक दशक में इस खेल ने कितनी अधिक प्रगति की है। पेरिस खेलों में भारतीय निशानेबाजों ने जबरदस्त प्रदर्शन कर इससे साबित किया था। पेरिस में मनु के अलावा सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले ने भी कांस्य पदक जीते थे। बिंद्रा ने कहा, 'कुछ समय के लिए ऐसा भी समय रहा जब दो ओलंपिक में हम कोई पदक नहीं जीत पाए थे हालांकि असफलता भी खेल का ही हिस्सता है। इससे एथलीटों और महासंघ ने सबक सीखा है जिसके कारण ही हमें अच्छे परिणाम मिले। बिंद्रा ने कहा कि भविष्य के ओलंपिक खेलों में इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने के लिए रणनीतिक योजना और बारिकियों पर अधिक ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह लय जारी रहेगी और रणनीतिक योजना जारी रहेगी। छोटी-छोटी चीजें बहुत मायने रखती हैं, उनका ध्यान रखना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि देश निशानेबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता रहेगा। गौरतलब है कि साल 2026 राष्ट्रमंडल खेलों ने निशानेबाजी, हॉकी, क्रिकेट और कुश्ती को अपने कार्यक्रम से हटा दिया है जिससे ग्लास्गो में भारत की पदक संभावनाओं को झटका लगा है पर बिंद्रा का मानना है कि इन खेलों में एक बार फिर निशानेबाजी को शामिल किये जाने की उम्मीद उन्हें है।

व्यापार

शेयर बाजार की मजबूत शुरुआत

सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक चढ़ा; निफ्टी 23,800 के पार

मुंबई। एशियाई बाजारों में तेजी के बीच बेंचमार्क भारतीय इक्विटी इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी50 सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को मजबूती के साथ खुले। विशेषज्ञों का कहना है कि साल 2024 के अंत में किसी बड़े ट्रिगर्स के नहीं होने की वजह से स्टॉक मार्केट में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 100 से ज्यादा अंकों की बढ़त लेकर 78,607.62 पर खुला। खुलते ही यह 300 अंक की बढ़त लेकर 78,783.96 तक पहुंच गया। सुबह 9:25 बजे सेंसेक्स 242.78 अंक की बढ़त के साथ 78,715.26 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी तेजी के साथ 23,801.40 अंक पर खुला। शुरुआत में यह 92.35 अंक की मजबूती लेकर 23,842.55 पर कारोबार कर रहा था। वहीं गुरुवार को प्रमुख बेंचमार्क मिलाजुला रहा, जिसमें बीएसई सेंसेक्स 78,472.48 पर सपाट बंद हुआ, जबकि निफ्टी 22 अंक बढ़कर 23,750.20 पर बंद हुआ। बेंचमार्क निफ्टी-50 पिछले सप्ताह 5 फीसदी गिरने के बाद इस सप्ताह अब तक 0.7 फीसदी चढ़ चुका है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को लगातार आठवें सत्र में भारतीय शेयर बेचे और नेट आधार पर 23.77 अरब रुपये (278.83 मिलियन डॉलर) के शेयर बेचे। विश्लेषकों के अनुसार पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद घरेलू शेयर राहत की सांस ले रहे हैं। बेंचमार्क निफ्टी 50 अपने 200-दिवसीय मूविंग एवरेज के समर्थन क्षेत्र के आसपास मंडरा रहा है। कॉनकॉर्ड एनवायरो सिस्टम्स आईपीओ, सनातन टेक्सटाइल्स आईपीओ, ममता मशीनरी आईपीओ, डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स आईपीओ और ट्रांस रेल लाइटिंग आईपीओ आज एनएसई और बीएसई पर लिस्टेड होंगे।

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर उद्योग जगत ने जताया शोक

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर उद्योग जगत से जुड़े लोगों ने भी शोक व्यक्त किया और देश के आर्थिक उत्थान में उनकी भूमिका को सराहा है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर कहा कि सिंह उन दिग्गजों में से एक थे जिन्होंने एक नए उदारवादी भारत की कल्पना की थी, जो आज दुनिया में अपना उचित स्थान ले रहा है। चंद्रशेखरन ने अपने शोक संदेश में कहा कि दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह के प्रेरक नेतृत्व ने उन्हें दुनियाभर में सम्मान दिलाया। उन्होंने बयान में कहा, ''हम पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं, जो उन दिग्गजों में से एक थे जिन्होंने एक नए उदार भारत की कल्पना की थी, जो दुनिया में अपना उचित स्थान ले रहा है।'' चंद्रशेखरन ने कहा कि डॉ. सिंह को हमेशा उनकी दूरदर्शी सोच तथा गहरी अंतर्दृष्टि के लिए याद किया जाएगा। वे हमेशा विनम्र रहे और अपने व्यक्तिगत मूल्यों को बनाए रखा। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने अपने शोक संदेश में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से भारत ने अपने सबसे बड़े नेताओं और बेहतरीन अर्थशास्त्रियों में से एक को खो दिया है। बिड़ला ने अपने बयान में कहा, ''भारत ने अपने सबसे बड़े नेताओं तथा बेहतरीन अर्थशास्त्रियों में से एक को खो दिया है। उन्होंने कहा कि 1991 के दशक के उनके क्रांतिकारी सुधारों ने कई दशकों तक आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दिया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने भारत तथा भारतीयों के लिए संभावनाओं के गणित को नया आकार दिया।'' वहीं, विश्व बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी तेज बुद्धि, सहज विनम्रता तथा व्यक्तिगत ईमानदारी के लिए सराहा जाता है... यह ऐसे गुण हैं जो राजनीति में विरले ही देखने को मिलते हैं। उन्हें न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर भी सबसे महान राजनेताओं में से एक के रूप में याद किया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह का गुरुवार रात को भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वे 92 वर्ष के थे। कांग्रेस नेता डॉ. मनमोहन सिंह वर्ष 2004 से 2014 तक दस साल देश के प्रधानमंत्री रहे। सिंह प्रधानमंत्री बनने से पहले केन्द्रीय वित्त मंत्री और रिजर्व बैंक के रूप में भी काम कर चुके हैं। वित्त मंत्री के रूप में सिंह ने देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत करने के कदम उठाए थे। डॉ. मनमोहन सिंह वैश्विक वित्तीय तथा आर्थिक क्षेत्रों में एक बड़ा नाम था।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 आर्थिक सुधारों की नींव रखने वाले मनमोहन सिंह नहीं रहे 92 साल में निधन,देश में 7 दिनों का राष्ट्रीय शोक का ऐलान
2 मनमोहन सिंह:भारत के आर्थिक सुधारों के निर्माता ही नहीं मनरेगा, खाद्य सुरक्षा कानून और RTI के भी जनक' थे पूर्व प्रधानमंत्री
3 मनमोहन सिंह की यादें:संसद में बोले थे, हजारों जवाबों से अच्छी है मेरी खामोशी...आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा: इतिहास मेरे प्रति उदार होगा
4 आर्थिक संकट के बीच देश को गिरवी रखना पड़ा था सोना,मनमोहन वित्त मंत्री बनकर आए और बाजी पलट दी,आर्थिक सुधारों की दुनिया करती है तारीफ,1991 में पेश किया था युगांतकारी बजट
5 पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर देश में शोक की लहर,राहुल गांधी ने कहा: मैंने अपना गुरु खो दिया
6 पीएम मोदी ने निधन पर जताया दुख,भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक डॉ. मनमोहन जी के निधन पर शोक मनाता है साधारण परिवार से उठकर वह एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने, उन्होंने वित्तमंत्री सहित विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर एक मजबूत छाप छोड़ी, संसद में उनका हस्तक्षेप भी व्यावहारिक था
7 देश में ग्लोबलाइजेशन की शुरुआत 1991 में सिंह ने ही की थी,उन्होंने भारत को दुनिया के बाजार के लिए तो खोला ही,बल्कि निर्यात और आयात के नियमों को भी सरल बनाया;डॉक्टर मनमोहन सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधारों की कवायद की और उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की ओवरहॉलिंग में महत्वपूर्ण योगदान दिया है इससे कोई इंकार नहीं कर सकता
8 कभी भाजपा द्वारा उन्हें भ्रष्टाचार से घिरी सरकार चलाने तो कभी पपेट पीएम कहा गया,वहीं भाजपा ने कई बार उन्हें मौनमोहन सिंह कहा;उनपर गांधी परिवार से ऑर्डर लेकर सरकार चलाने के आरोप भी लगे,बावजूद इसके प्रधानमंत्री पद से रिटायर होते समय मनमोहन सिंह ने कहा था,मुझे ईमानदारी से उम्मीद है कि इतिहास मेरी समीक्षा करते वक्त दयाभाव रखेगा
9 अपने मृदुभाषी और विनम्र स्वभाव के लिए जाने जाने वाले मनमोहन सिंह अक्तूबर 1991 में पहली बार राज्यसभा के सदस्य बने थे,इसके बाद वे लगातार छह बार उच्च सदन के सदस्य बने,वे कभी लोकसभा से नहीं आ सके
10 पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की सूचना अत्यंत दुःखद है,भारतीय रिजर्व बैंक में गवर्नर से लेकर देश के वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में डॉ.मनमोहन सिंह जी ने देश की शासन व्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई; दुःख की इस घड़ी में उनके परिजनों व समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूँ,वाहेगुरु जी उनकी आत्मा को सद्गति प्रदान करें और उनके परिवारजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें;अमित शाह
11 आखिरी बार व्हीलचेयर पर मोदी सरकार के बिल के खिलाफ वोट करने संसद पहुंचे थे मनमोहन सिंह,PM मोदी ने की थी जमकर तारीफ
12 पीएम ने कहा उनको पता है कि विजय सरकार की होने वाली है इसके बावजूद व्हीलचेयर पर संसद में आए और वोट किया,एक सांसद अपने दायित्व के लिए कितना सजग है,वह लोकतंत्र को ताकत देने के लिए वोट करने आए, इसलिए आज विशेष रूप से मैं उनकी दीर्घायु के लिए प्रार्थना करता हूं,वह निरंतर हमारा मार्गदर्शन करते रहे ऐसी में अपेक्षा करता हूं
13 कांग्रेस 26 जनवरी से संविधान बचाओ पद यात्रा निकालेगी,कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में ऐलान; मनमोहन सिंह के निधन के चलते अधिवेशन रद्द
14 कर्नाटक CWC बैठक:कांग्रेस 26 जनवरी से संविधान बचाओ पद यात्रा निकालेगी,कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में ऐलान;जय बापू,जय भीम अभियान भी चलाएगी
15 इस बैठक में पत्र के जरिए अपने संदेश में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि देश की सत्ता में बैठे लोगों से महात्मा गांधी की विरासत को खतरा है,उन्होंने इन ताकतों का मुकाबला करने के लिए अपने संकल्प को फिर से दोहराने का आह्वान भी किया
16 कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा:कांग्रेस के पास विचारधारा की ताकत है, गांधी-नेहरू की विरासत है और महान नायकों की विरासत है;उन्होंने कहा:हम बेलगावी से नया संदेश और नया संकल्प लेकर लौटेंगे,इसीलिए हमने इस बैठक का नाम नव सत्याग्रह' रखा है, क्योंकि आज संवैधानिक पद पर बैठे लोग भी महात्मा गांधी के सत्याग्रह पर सवाल उठा रहे हैं
17 मंदिर-मस्जिद विवाद: RSS प्रमुख और उसके मुखपत्र की राय अलग, लिखा:यह ऐतिहासिक सच जानने की लड़ाई;भागवत बोले थे,ऐसे विवाद निकालना सही नहीं
18 जब तक DMK को...सता से बेदखल नहीं होगी,तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष अन्नामलाई ने खाई बड़ी कसम,तब तक नहीं पहनेंगे जूता-चप्पल
19 30 दिसंबर को पंजाब बंद,किसान नेता सरवन सिंह पंढेर बोले:आपातकालीन सेवाएं रहेंगी चालू
20 पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी हॉस्पिटल से घर पहुंचे, सर्दी-जुकाम की शिकायत के बाद 14 दिन से भर्ती थे
21 भारत-ऑस्ट्रेलिया चौथा टेस्ट:AUS का 7वां विकेट गिरा,कमिंस आउट, जडेजा ने तोड़ी शतकीय साझेदारी;स्मिथ शतक जमा चुके
22 भाजपा को 2,600 करोड़ से अधिक चंदा मिला,कांग्रेस को 281 करोड़ रुपए मिले
23 बापू की विरासत को दिल्ली की सत्ता में बैठे लोगों से खतरा,सोनिया गांधी का CWC को पत्र
24 राजस्थान हाई कोर्ट को मिलेंगे तीन नए जज, कॉलेजियम ने की सिफारिश
25 राष्ट्रीय प्रतीकों के गलत इस्तेमाल पर 5लाख का जुर्माना,कानून में बदलाव का प्रस्ताव;अभी 2 एक्ट लागू हैं,इन्हें मिलाकर एक करने का विचार
26 चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग स्टूडेंट से रेप,भाजपा ने डिप्टी CM स्टालिन के साथ आरोपी की तस्वीर जारी की,कहा:वह स्टूडेंट विंग का लीडर
27 पटना:बीपीएससी अभ्यर्थियों को प्रदर्शन के लिए उकसाने के आरोप में दिल्ली का ट्यूटर गिरफ्तार;विपक्षी नेताओं ने की लाठीचार्ज की निंदा
28 राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार समारोह आयोजित,17 बच्चे सम्मानित
29 संभल के फिरोजपुर किले से ग्रामीणों ने खुद हटाया अवैध अतिक्रमण, प्रशासन ने दी थी चेतावनी
30 हम किसी भी सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार:गौतम अदाणी
31 मुंबई:प्रवर्तन निदेशालय 'ईडी ने धनशोधन की एक जांच के तहत भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कास्कर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है
32 दिल्ली चुनाव के लिए कांग्रेस ने बीजेपी से समझौता कर लिया,अजय माकन की केजरीवाल पर की गई टिप्पणी पर भड़की सीएम आतिशी
33 Punjab Bandh:30 दिसंबर को पंजाब बंद का आह्वान,आपातकालीन सेवाएं रहेंगी चालू;लोगों का मिला समर्थन
34 IND vs AUS बॉक्सिंग डे टेस्ट का दूसरा दिन आज:ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 311/6,स्मिथ-कमिंस नॉटआउट;बुमराह ने 3 विकेट लिए
35 13 दिसंबर को हुई 70वीं बीपीएससी पीटी की परीक्षा रद्द नहीं की जाएगी:आयोग का ऐलान
36 दिल्ली विधानसभा चुनाव:29 दिसंबर को जापानी पार्क में बड़ी रैली करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
37 राजस्थान:कोटपूतली क्षेत्र में तेज बारिश होने के कारण रुका चेतना का रेस्क्यू ऑपरेशन
38 पहाड़ों पर भारी बर्फबारी,औली-जोशीमठ मार्ग पर लगा भीषण जाम
39 चिराग पासवान की पार्टी के नेता हुलास पांडेय के घर ED की रेड,बेंगलुरु और दिल्ली में छापेमारी
40 Suzuki के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 साल की उम्र में निधन

हर खबर पर पैनी नज़र
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

सूर्या और पूजा हेगड़े की अगली फिल्म के शीर्षक से उठा पर्दा

रेट्रो का टीजर भी आया सामने

सूर्या और निर्देशक कार्तिक सुब्बराज की बहुप्रतीक्षित फिल्म का आखिरकार नाम सामने आ गया है। इस फिल्म का नाम रेट्रो रखा गया है। इसके साथ ही निर्माताओं ने क्रिसमस के मौके पर एक रोमांचक टाइटल प्रोमो भी जारी किया। रेट्रो एक गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें पूजा हेगड़े भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। सूर्या ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर टाइटल टीजर का लिंक साझा करते हुए लिखा, सभी को मेरी क्रिसमसद्य रेट्रो 2025 की गर्मियों में आ रही है...जल्द मिलते हैं....। वहीं, पूजा हेगड़े ने भी फिल्म की झलक अपने सोशल मीडिया हैंडल से शेयर की है। दो मिनट और पांच सेकंड का यह टीजर सूर्या और पूजा हेगड़े के किरदार को बनारस के घाट के किनारे बैठे हुए दिखाता है। पूजा हलके गुलाबी रंग की साड़ी में हैं, जबकि सूर्या इसमें काले कुर्ते में नजर आ रहे हैं। पूजा उनके हाथ में एक पवित्र धागा बांधती हैं। सूर्या उनकी आंखों में देखकर तमिल में कहते हैं, मैं अपने गुस्से पर काबू पाऊंगा। मैं अपने पिता के साथ काम करना छोड़ दूंगा। हिंसा, गुंडागर्दी, लाठी-गोली—अब सब कुछ छोड़ दूंगा। मैं मुस्कुराने की कोशिश करूंगा और ख़ुश रहने की कोशिश करूंगा। मेरे जीवन का उद्देश्य तुम्हारे शब्दों में प्रेम है। शुद्ध प्रेम। बस यही। मैं सब कुछ सीधे और ईमानदारी से कह रहा हूं। अब बताओ क्या हमें शादी कर लेनी चाहिए? सूर्या को आखिरी बार कंगुवा फिल्म में देखा गया था। इस फिल्म में बॉबी देओल ने विलेन का रोल निभाया था। फिल्म को बड़े बजट में तैयार किया गया था। हालांकि, दर्शकों को यह फिल्म बिल्कुल भी पसंद नहीं आई थी। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही थी।

अगले साल मार्च में शुरू होगी जेलर 2 की शूटिंग, रजनीकांत के साथ शेड्यूल में शामिल होंगे कई सितारे

सुपरस्टार रजनीकांत ने 2023 में ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर के लिए फिल्म निर्माता नेल्सन दिलीपकुमार के साथ मिलकर काम किया था। इस फिल्म में दिग्गज अभिनेता ने मुख्य भूमिका निभाई थी, जो तमिल सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई। सुपरस्टार रजनीकांत वर्तमान में लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म कुली पर काम कर रहे हैं, जिसे 2025 में रिलीज किया जाना है। वहीं, अब फिल्म की शूटिंग को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म को लेकर ताजा जानकारी सामने आई है कि रजनीकांत अगले साल मार्च में जेलर 2 की शूटिंग शुरू करेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रजनीकांत- नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म अगले साल की शुरुआत में फ्लोर पर आएगी। 2023 की ब्लॉकबस्टर जेलर का सीक्वल सुपरस्टार और निर्देशक के बीच दूसरा सहयोग है। सीक्वल को लेकर चर्चा काफी समय से चल रही है। जल्द ही आधिकारिक अपडेट मिलने की उम्मीद है। जेलर नाम की पहली फिल्म में रजनीकांत को एक रिटायर्ड पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया था, जो शांत जीवन जी रहा था। हालांकि, जब उसके पुलिस अधिकारी बेटे का अपहरण कर लिया जाता है और उसे मृत मान लिया जाता है तो उसकी दुनिया उलट जाती है, जिससे वह उन लोगों के खिलाफ बदला लेने की होड़ में लग जाता है, जिन पर उसे संदेह है। फिल्म बदले की कहानी पर आधारित होने के बावजूद धीरे-धीरे डकैती की कहानी में बदल जाती है, जिसमें सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी के शुरुआती दिनों की भी झलक मिलती है। रजनीकांत के अलावा जेलर में विनायकन, राम्या कृष्णन, तमन्ना भाटिया, वसंत रवि, मिर्ना मेनन, योगी बाबू और अन्य कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में थे। फिल्म में मोहनलाल, शिव राजकुमार और जैकी श्रॉफ जैसे सितारों की कैमियो भूमिकाएं भी शामिल थीं। वहीं, रजनीकांत रजनीकांत को आखिरी बार टीजे ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित वेट्टैयन में देखा गया था। फिलहाल रजनीकांत निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ कुली फिल्म कर रहे हैं। एक्शन थ्रिलर में प्रभावशाली कलाकारों की टोली है, जिसमें नागार्जुन अक्किनेनी, उपेंद्र, सौबिन शाहिर, श्रुति हासन और अन्य शामिल हैं।

डकैत में मृणाल ठाकुर ने श्रुति हासन को किया रिप्लेस, फिल्म के नए पोस्टर में अदिवि शेष के साथ एक्शन मोड में आईं नजर

टॉलीवुड अभिनेता आदिवि शेष का आज जन्मदिन हैं। ऐसे में निर्माताओं ने फिल्म डकैत का पोस्टर जारी किया है। उनकी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक डकैत है, जिसका निर्देशन शैनियल देव कर रहे हैं। यह एक प्रेम कहानी है। निर्माताओं ने फिल्म डकैत का पोस्टर जारी किया, जिसमें श्रुति हासन की जगह मृणाल ठाकुर नजर आईं। निर्माताओं ने मृणाल के दो पोस्टर जारी किए हैं। एक पोस्टर में, आदिवि शेष सीरियस दिखाई दे रहें हैं, जबकि मृणाल उन्हें दुख से देखती नजर आ रही हैं दूसरे पोस्टर में मृणाल हाथ में बंदूक लिए गुस्से में दिखाई दे रही हैं। दोनों ही स्टार्स स्टाइलिश तरीके से कार में बैठे हुए नजर आ रहे हैं। डकैत के दोनों पोस्टर काफी शानदार हैं। यह फिल्म दो पूर्व प्रेमियों की कहानी है, जिन्हें कई साहसिक डकैतियों के लिए फिर से एकजुट होने के लिए मजबूर किया जाता है, जो आखिर में उनके जीवन की दिशा बदल देती है। फिल्म का निर्माण सुप्रिया यारलागड्डा ने किया है, सह-निर्माता सुनील नारंग हैं और अन्नपूर्णा स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया गया है। फिल्म की शूटिंग हिंदी और तेलुगु में एक साथ की जा रही है, जिसकी कहानी और पटकथा अदिवी शेष और शैनियल देव ने मिलकर तैयार की है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल हैदराबाद में हो रही है। इसके बाद महाराष्ट्र में एक और शेड्यूल की शूटिंग होनी बाकी है। फिल्म डकैत में पहले श्रुति हासन को लिया गया था। लेकिन आज पोस्टर रिलीज के बाद यह साफ हो गया है कि इस फिल्म में श्रुति की जगह मृणाल ने ले ली है। यह फिल्म एक गुस्सैल अपराधी के सफर पर आधारित है, जो अपनी पूर्व प्रेमिका से धोखा खाने के बाद उससे बदला लेने का प्लान बनाता है। डकैत में मृणाल का एक ऐसा रूप दिखाई देगा, जिसे आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए मृणाल ने कहा, डकैत की कहानी अपने सार में सच्ची है, देहाती कहानी कहने का एक बेहतरीन तरीका, जो अदिवी और शेनिल देव दोनों के विचारों से और भी बेहतर हो गया है। मैं जिस किरदार को फिल्म में निभाने जा रही हूं, वह मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका देगा, जो मैंने एक अभिनेता के तौर पर पहले कभी नहीं निभाया है। मैं शेनिल द्वारा कल्पना की गई दुनिया में गहराई से उतरने का इंतजार नहीं कर सकती। अदिवी ने डकैत को लेकर कहा, डकैत एक मार्मिक प्रेम कहानी वाली एक दमदार एक्शन फिल्म है। हम डकैत टीम में मृणाल का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं और बड़े पर्दे पर उनके आमने-सामने आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

थाई स्लिट ड्रेस पहने श्रद्धा दास ने बिखेरा हुस्न का जलाव

साउथ एक्ट्रेस श्रद्धा दास हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका सेक्सी और हॉट अवतार देखकर लोग दीवाने हो गए हैं। अपनी एक्टिंग से ज्यादा फैशन स्टेटमेंट्स के कारण लाइमलाइट में रहने वाली एक्ट्रेस श्रद्धा दास लोगों के बीच काफी पॉपुलर हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉट एंड सेक्सी अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने ब्लू कलर की थाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों का हाई बन बनाकर और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। श्रद्धा दास सोशल मीडिया लवर हैं और आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। श्रद्धा दास सोशल मीडिय पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। ये ही नहीं एक्ट्रेस का हर एक लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही बवाल मचाने लगता है।

केए10 के शीर्षक से उठा पर्दा, किरण अब्बावरम की प्रेम और रोमांटिक एक्शन फिल्म दिलरूबा का पहला पोस्टर भी जारी

युवा और प्रतिभाशाली नायक किरण अब्बावरम ने सस्पेंस थ्रिलर केए से सभी को प्रभावित किया है। अभिनेता अपनी अगली फिल्म के साथ सभी को आश्चर्यचकित करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता की नई फिल्म का शीर्षक फाइनल हो गया है, दिलरुबा। शीर्षक पोस्टर ने पहले ही काफी दिलचस्पी पैदा कर दी है। रुखसार ढिल्लन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी। दिलरुबा का निर्माण शिवम सेल्युलॉइड्स और यूडली फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है, जो सारेगामा इंडिया लिमिटेड का फिल्म स्टूडियो है। रवि, जोजो जोस, राकेश रेड्डी और सारेगामा इसके निर्माता हैं, जबकि विश्व करुण इस दिलचस्प मनोरंजक फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। शीर्षक की घोषणा के साथ जारी किए गए पोस्टर ने उत्सुकता जगा दी है, क्योंकि किरण अब्बावरम एक अनोखे अंदाज और रवैये में दिखाई दे रहे हैं। टैगलाइन, हिज लव, हिज एंगर, किरण अब्बावरम द्वारा निभाए जाने वाले किरदार को दर्शाती है। दिलरुबा एक प्रेम और रोमांटिक एक्शन मनोरंजक फिल्म है, जो दर्शकों को लुभाने वाली है। मशहूर संगीतकार सैम सीएस संगीत तैयार कर रहे हैं, जबकि डेनियल विस्वास सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं और प्रवीण केएल संपादक के रूप में काम कर रहे हैं। उनकी पिछली हिट, केए की सफलता के बाद, दिलरुबा से काफ़ी उम्मीदें हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।